

प्राधिकार सं प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

सं • 48] नई विस्ली, शनिवार, नवम्बर 28, 1992 (अप्रहायण 7, 1914)

No. 48] NEW DELHI, SATURDAY, NOVEMBER 28, 1992 (AGRAHAYANA 7, 1914)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संक्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संक्रम के क्य में रखा जा सके । (Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a neparate compilation)

भाग 111-खब्ड 4

[PART III—SECTION 4]

सांविधिक निकायों द्वारा जारी की गई विविध अधिसूचनाएं जिसमें कि आवेश, विकापत और सूचनाएं सम्मिलित हैं

[Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies]

भारतीय रिजर्व बैंक लोक ऋण कार्यालय नई विल्ली

भारतीय मौद्योगिक वित्त निगम की जो प्रतिभूतियां आदि खो गयी हैं भीर जिनके संबंध में यह विश्वास करने के लिए प्रत्यक्षतः आधार है कि वे खो गई हैं भीर उनके आवेदकों का दावा न्यायपूर्ण है, उनकी निम्मलिखित 30 जून, 1992 को समाप्त हुई छमाही की सूची का विज्ञापन इण्डस्ट्रियल फाइनेन्स कारपोरेशन आफ इण्डिया (इशू एण्ड मैनेजमेंट आफ बाण्ड्स) रेगूलेशन 1949 के विनियम 10 के अनुसार इसके द्वारा किया जाता है। नीचे जिन वावेदारों के नाम दिए गए हैं उनको छोड़कर अन्य ऐसे सभी व्यक्तियों जिनका इन प्रतिभूतियों पर कोई वावा हो को चाहिए कि ये प्रबंधक, भारतीय रिजर्व बैंक, लोक ऋण कार्यालय, नई दिल्ली को तुरन्त सूचित करें:—

यह सूची दो भागों में विभाजित की गई है। भाग "क" उन प्रतिभूतियों की सूची है जिनका विज्ञापन अभी पहली बार किया जा रहा है भौर भाग "ख" उन प्रतिभूतियों की सूची है जिनका विज्ञापन पहले किया जा चुका है।

			पूजा	শা		
प्रतिभूति की सं०	मूल्य रु	किसके नाम जारी की गई	. किस दिनांक से ज्याज देय है	अनुलिपि जारी करने या भुगतान मूल्य की अवायगी के लिए दावा करने वाले (वालों)	जारी किए गए की संख्याग्रीर दिनांक	
and the form of the contract o			मृष	(का) के नाम नहीं ———		, ,

सुची "ख"

प्रतिभूति की सं०	मूस्य ४०	किसके नाम जारी की गई	किस विनांक से व्याज देग है	अनुलिपि जारी करने/ या भुगतान मूल्य की आदायगी के लिए	जारी किए गए आवेशों की सं० और दिनांक	प्रकाशन की तिथि जब प्रतिभृति का	वह उस पहले
				दावा करने वाले (वा	मों)	उल्लेख किया	गया
				(का)के नाम			

6.25 प्रतिशत इण्डस्ट्रियल फाइनेंस कारपोरेशन आफ इण्डिया बाण्ड्स 1988 (सैकण्ड सीरीज)

बी०एच०-	10,000/- विनोद	14-6-80	द्रस्टीज सुमी टोमों	आई०एफ०सी०/	8-8-1987
000241	ं कुमार एण्ड		इण्डियन स्टाफ	एल ०एन ०-2,	
•	कस्पनी		प्रोबीईंट फंड	विनांक 3 ∽2 −8 <i>7</i>	

पी० बी० माथुर, संयुक्त प्रबंधक

वैक आफ महाराष्ट्र

प्रधान कार्यालय

पुणे 411005, विनांक 9 अक्तूबर 1992

सं∘ एएचस 1/एस०टी०/ओ० एम० आर०/9502---बैंककारी कम्पनी (उपक्रमों का अधिग्रहण और अंतरण) अधिनियम 1970 (1970 का 5) की बारा 19 द्वारा प्रवर्त शक्तियों का प्रवोग करते हुए बैंक आफ महाराष्ट्र का निदेशक मंडल, भारतीय रिजर्व वैंक के परामर्श से और केन्द्रीय सरकार के पूर्वानुमोदन से नैंक आफ महाराष्ट्र (अधि-कारी) सेवा कितिथम, 1979 में और आगे संशोधन करने के लिए एतव्द्वारा निम्मलिखित विनियम बनाता है:---

🏗 संक्षिप्त शीर्षक और प्रारंभ : (1) इन विनियमों का नाम बैंक आफ महाराष्ट्र (अधिकारी) सेवा (संशोक्षित)... विभियम 1992 होगा (2) ये संशोधन विनियम के सूल्यके उल्लिखित तिथि को और उस तिथि से लागू होंगे।

2. संशोधन का क्योरा अनुलग्नक "अ" में दिया गया है।

> अ० म० शालीग्राम उप महाप्रबंधक (स्था०) कार्मिक

> > अनुबंध "अ"

विनियम 23 (viii) :

वि० 1-1-90 से अधिकारी का कार्यसमय दिन के वो भागों में बंटा होने पर और कार्यसमय के विभाजन में कम से कम दो घंटे का अंतराल होने पर उसे घ० 35/--प्रतिमाह विभाजित कार्यसमय भत्ता।

विनियम 41 (4) :

के नगर

वि॰ 1-6-91 को और उसके बाद निम्नलिखित सारिणी के स्तंभ ऋ० 1 में वार्णित श्रेणी/वेतनमान के अधि-क्यारी स्तंभ ऋ० 2 में वर्णित तद्नुरूपी दरों मे दर्शीए गये विराम भक्ता पाने के लिए पाल होंगे ---

प्रतिदिन भत्ता (४०) प्रमुख "ए" वर्ग क्षेत्र अस्य स्थान

श्रेणी/वेतनमान वेतनमान 4 मीर उससे ऊपर के अधिकारी वेतनमान 1/2/3 के अधिकारी

120.00 100.00 85.00 100.00 85.00 75.00

परंत्

अधिकारियों की

(क) यदि अनुपस्थिति की कुल अवधि 8 घंटे से कम कित् 4 षंटे से अधिक है तो ऊपर बताई गई दरों की, आभी दर से विराम भत्ता देव होगा।

(ख) विभिन्न श्रेणियों/वेतनमानों के अधिकारियों की होटल के वास्तविक खर्चकी प्रतिपूर्ति की आ सकती है, जो नीचे बताई गई सीमा तक भारतीय पर्यटन विकास निगम के होटलों में एकल आवास कमरे के प्रभारी तक सीमित होगी :---

अधिक।रियों की		ठहरने की	खान≔पान खर्च(४०)		
श्रेणी/वेतनमान		पानता	पालता प्रमुख ए वर्ग के नगर	क्षेत्र	अन्य स्थान
1		2	3	4	5
वेतनमान VI	भीर ४॥	4*होट ल	120.00	100.00	85.00
वेतलमान IV	ग्रौर V	3 * होटल	120.00	100.00	85.90
वेतनमान 11	पौ र III	2*होटल (अवातानुकूलित)	100,00	85.00	75.00
वेतनमान I		1*होटल (भवातानुसूलित)	100.00	85.00	75.00

- (ग) यदि विराम स्थान पर वैंक के खर्म से/बैंक द्वारा नि:शुल्क, आवास की व्यवस्था की गई है तो तीन चौयाई विराम भक्ता दिया जाएगा ।
- (घ) यदि विराम स्थान पर बैंक के खर्च से/बैंक द्वारा नि:शुल्क भोजन की व्यवस्था की गई हो तो आधा विराम भक्ता विया जाएगा।
- (इ) यदि विराम स्थान पर बैंक के खर्च से/बैंक द्वारा नि:शुल्क आवास और भोजन की व्यवस्था की गई हो तो एक चौथाई विराम भत्ता दिया आएगा । परंतु अब अधिकारी भोजन खर्च के बास्तविक बिल प्रस्तुत किये बिना, घोषणा पन्न के आधार पर वावा प्रस्तुत करता है तब वह एक चौथाई विराम भन्ते के लिए पान्न नहीं होगा ।
- (घ) दि॰ 1-1-87 को ओर उसके बाद सभी निरीक्षण अधिकारियों को मुख्यालय से बाहर निरीक्षण इयूटी पर विराम के प्रतिदिन के लिए ६० 10/- का अनुपूरक (सप्ली-मेंटरी) देनिक भरों का भुगतान किया जाएगा।

स्पष्टीकरण :---

विराम भत्ते की संगणना के लिए "प्रतिविम" का अभिप्राय है कि, 24 घंटे की अवधि या उसके बाद का कोई भी भाग, जिसकी गणना विमान याता के मामले में प्रस्थान के लिए नियत समय से लेकर पहुंचने के वास्तविक समय तक की जाएगी। यदि अनुपस्थिति की कुल अवधि 24 घंटे से कम है तो प्रतिदिन से ऐसी अवधि अभिप्रेत हैं जो 8 घंटे से कम न हो।

विनियम 44 (ii) :--

दि० 1-6-91 को ओर उसके बाद सार वर्ष में एक बार जब कोई अधिकारी छुट्टी यात्रा सुविधा का उपयोग करता है, तब उसे एक बार में अधिक से अधिक एक माह की अपनी विशेषाधिकार छुट्टी का परित्याग करने और उसका नकदीकरण कराने की अनुमति दी जा सकती है। विकल्पतः जब वह 2 वर्षों के एक खंड में अपने गृहनगर की और दूसरे खंड में भारत में किसी भी स्थान की यात्रा कर रहा हो तब से कम से कम प्रत्येक खंड में 15 दिन की या एक खंड में 30 दिन की विशेषाधिकार छुट्टी

के नकदीकरण की अनुमति वी जासकती है ऐसे नकदीकरण के प्रयोजन के लिए जिस माह में छुट्टी किराया सुविधा की जा रही है उस माह की देय कुल परिलक्धियां उसे मिलेंगी।

परंतु यदि अधिकारी चाहे तो प्रधानमंत्री राहत कोष में बान देने के लिए एक दिम अतिरिक्त विशेषाधिकारी छुट्टी का नकदीकरण करा सकता है, जिसके लिए उसे बैंक को इस आश्रय का पन्न देते शुए राशि उक्त कोष में जमा कराने का प्राधिकार देना होगा।

सिबिकेट बैंक औद्योगिक संबंध प्रभाग कार्मिक विभाग अधान कार्यालय

मणिपाल-576119, दिनांक 23 अक्तूबर 1992

सं जी एस आर सं 872/0090/का वि/ जी सं प्र (अ)—वैककारी कंपनी (उपक्रमों का अर्जन जौर अंतरण) अधिनियम, 1970 (1970 का 5) की धारा 19 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए सिडिकेट वैंक का निदेशक बोर्ड, भारतीय रिजर्व वैंक के परामर्गसे और पूर्वमणूरी से एतदृद्वारा सिडिकेट वैंक अधिकारी कर्मचारी (आचरण) विनियम, 1976 में और संशोधन करने के लिए निम्नसिखित बिनियम बनाता है।

- 2. संक्षिप्त नाम और प्रारंभ : (1) इन विनियमों को सिंडिकेट वैंक अधिकारी कर्मचारी (आचरण) (संबोधन) विनियम, 1992 कहा जाएगा।
- (2) ये सरकारी राजपक्ष में प्रकासन कि तारीख को प्रवृत्त होंगे ।
- 3. सिडिकेट बैंक अधिकारी कर्मचारी (आचरण) विनियम, 1976 में,
- (क) विनियम 5 के उप विनियम (2) के परंतुक में 'सक्षम प्राधिकारी को' शब्दों के बाद नियोजन का प्रस्ताव प्राप्त होने की तारीख से तीन महीने के अंदर सब्द जोड़े आएंगे;

- (ख) विनियम 14, उप विनियम (1) के स्पष्टीकरण में टिप्पणी (2) की निकाल दिया जाएगा।
- (ग) विनियम 20 के उप विनियम (2) के स्थान पर निम्नलिखित को प्रतिस्थापित किया जाएगा अर्थात
- '(2) प्रत्येक अधिकारी कर्मचारी प्रतिवर्ष उस वर्ष के जून के 30वें दिन से पहले उस वर्ष के 31 मार्च की स्थित के अनुसार शेयरों, डिवेंचरों जैसी तरल परिसंपरितयों सहित अपनी चल, अचल और मूल्यवान संपत्ति की एक विवरणी बैंक को प्रस्तुत करेगा'।

जी ० ए० रेगो महाप्रबंधक (का)

्र**पाव** टिप्पणी :

ज िस्	पहले की संशोधनों की संख्या और	उनके भारत के
7	तारीख (तारीखें)	राजपन्न में छपने
•		की तारीख

1. सं० गून्य विनांकित 2/11/1988 24/12/1988
 2. सं० 1126/एस/0090/का०वि०/ 16/12/1989
 औ० सं० प्र० (अ) विनांकित
 7/11/1989

गुद्धिपत्र सं ं सं ० 75 | एस | 0090 | 16 | 2 | 1991 का. विं ० | औ॰ सं ० प्रे ० (अ) दिनांकित: 25 | 1 | 1**89**1

वि इस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स आफ इंडिया नई विल्ली-110 002, विनोक 23 अक्सूबर 1992 श्वि-पन्न

् (चार्टकं एकाउन्टेन्ट्स)

संख्या 1-सी०ए० (7)/19/92-विनोक 21 फरवरी 1992 की अधिसूचना संख्या 1-सी०ए० (7)/19/92 में, इंस्टीट्यूट ऑफ चार्ट एकाउन्टैन्ट्स आफ इंडिया की परीषद हारा चार्ट एकाउन्टैन्ट्स अधिनियम, 1949 की धारा 38 की उपधारा (1) के द्वारा प्रदत्त अधिकारों का उपयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार की पूर्व अनुमति से चार्ट एकाउन्टैन्ट्स विनियम, 1988 में कुछ संशोधन अधिषोषित किये गये थे, जिन्हें कि दिनांक 7 मार्च, 1992 का भारत का राजपन संख्या 10 के भाग 3 खण्ड (4) में पृष्ठ संख्या 522 से 533 में प्रकाशित किया गया था, में निम्नलिखित सुधार किये गये हैं और इन सुधारों को इनके प्रथम प्रकाशन के दिन से लागू माना जायेगा।

पुष्ठं 522 :

1. प्रस्तावना के पैरा 4 की प्रथम पंक्ति में, "प्रदत्त अधि-कारों द्वारा" शब्दों के बाद, शब्दों, अर्क एवं कोष्टक "उप-धारा (1)" जोड़ा आयेगा । 2. कम संख्या 1 की प्रथम पंहित में "विनियमों के लिये" शक्दों को "विनियमों के लिये" पढ़ा जायेगा।

पुष्ठ 523 :

- 3 विनियम 26 के क्लाज (1)(ए) की तीसरी पंक्ति में, शब्द "विनियम" को "विनियम" पढ़ा जायेगा।
- 4. विनियम 26 के क्लाज (1) (बी) की तीसरी पंक्ति में शब्द "और" जो कि अन्त में आ रहा है, की हुटा विया जायेगा।

पुष्ठ 524 :

- 5. विनियम 36 के, उप-विनियम (2) की, पहली एवं दूसरी पंक्ति में "साधारण तया घोषित किया जायेगा" शब्दों को "साधारणतह घोषित किया आयेगा" शब्दों से बदल विया जायेगा।
- 6 विनियम 37 के उप-विनियम (1) की दूसरी एवं तीसरी पंक्तियों में शब्द "उसने दोनों समूह पास कर लिये हो और वह" को "उसके दोनों गमूह पास कर लिये हो । और वह" पढ़ा जायेगा ।

पुष्ठ 526:

- 7. कर्मांक 5 की पहली पंक्ति में शब्दों, ग्रंको एवं कोष्ठकों "विनियम 43 (1)" पढ़ा जायेगा।
- 8. कम संख्या 5 के अन्तर्गत ब्याख्या की 6वीं पंक्ति में शब्द "विनिन्मों" जो कि "अन्तर्गत स्वीकृत" शब्दों के बाद आ रहा है को "विनियमों" पढ़ा जायेगा ।
- 9. ऋम संख्या 6 की दूसरी पंक्ति में श दों "क्लाजों को बदल दिया आयेगा, नामतः" को "क्लाजों को बदल दियाँ आयेगा, नामतः" पढ़ा जायेगा ।
- 10. कम संख्या की पहली एवं दूसरी पंक्तियों में "निम्न-नोकित" शब्दों के बाद "उप-विनियम" शब्दों को जोड़ दिया जायेगा ।
- 11. ऋम संख्या में बजाज (11) को निम्नतिखित से बदल दिया जायेगा, नामतः
- "(11) उप-विनियम (4) में ---
- (अ) गब्दों, कोष्ठकों एवं अकों ''उप-विनियम (1) अथावा उप-विनियम (2) अथावा उप-विनियम (3)'' को निम्नलिखित से बदल दिया जायेगा, नामतः ''उप-विनियम (1) अथावा उप-विनियम (2)''. और (ब) गब्दों, कोष्ठकों एवं अकों ''उप-विनियम (1) अथावा उप-विनियम (2) के अन्तर्गत आने वाले मामले में'' को श्वटा दिया जायेगा ।
- 12. जम० संख्या की पहुली पंक्ति में मद्दों "निम्ना-कित" को "निम्नाकित विसियम" पहा जायेगा ।

पुष्ठ 527 :

13 कम संख्या की पहली पंक्ति में शब्द "फोर" जो कि शक्दों एव अंक "विनियम 69 में" के बाद आ रहा है को हटा विया जायेगा ।

14. ऋम संख्या की पहली पंक्ति में, शब्दों, अंक एवं कोष्ठकों "विनियम 72 में, उप--विनियम (2) "को" विनियम 72 में, उप-विनियम (2) को" पढ़ा जायेगा ।

पुष्ठ 528 :

15 क्रम संख्या में बलाज (11) की पहली पंक्ति में (नीचे से 16वी पंक्ति) शब्य "सुड" को "स्यल" पढ़ा जायेगा।

> ए० के० मजुमदार सचित

नई दिल्ली-110002, दिनांक 4 नवम्बर 1992

13-सी० ए०/परीक्षा/नवस्थर 92 :-- इंस्टीट्य्ट की अधिसूचना संख्या 13-सी० ए०/परीक्षा/नत्रम्बर 92 दिनांक 28 अक्तूबर, 1992 के आगे, सर्वसाधारण को यह सूचित किया जाता है कि इंटरमीडिएट एवं फाइन र की 6 नवस्वर, 1992 को केवल कजकता सैन्टर में होते वाली निम्नलिखित परीक्षाएं स्थागित कर दी गई है।

इंटरमीडिएट परीक्षा ः-- ग्रुप 2 पेपर 5 फाइनल परीक्षा ः-- गुप 2 पेपर 5

ं जबिक उपर दी गई परीक्षाओं के समय तथा सज्ज वही रहेंगे, नई तिथि की घोरणा अलग से की जायेगी ।

> जगदम्या प्रसाव बरिष्ठ उप सिचय (परीक्षा)

विनांक 9 नवम्बर 1992

स० 13-सी०ए० (परीक्षा) /नवम्बर/ 9 2:---इंस्टीट्युट की अधिसूचना संख्या 13-सी० ए० (परीक्षा)/नत्रस्वर/92 दिनांक 4 नवम्बर, 1992 के आगे, सर्वसाधारण को यह सूचित किया जाता है कि केवल कलकता सैन्टर में होने वाली इंटरमीडिएट एवं फाइनल की 6 तबम्बर, 1992 को निम्न विषयों की स्थगित परीक्षाएं अब शनित्रार, 21 नवम्बर, 1992 को होगी।

इंटरमीडिएट परीक्षा मुप 2 पेपर - 5 फाइनल परीक्षा पूप 2 पेपर - 5

> जगवस्वा प्रसाध ं उप समिव (परीक्षा)

कर्मचारी राज्य बीमा निगम

नई विल्ली, विनाम 28 अम्तूबर 1992

संख्या : एन-5/13/5/3/91---यो० एवं वि० (2)---कर्मचारी राज्य बीमा (सामान्य विनियम-1950 के विनियम 95--क के साथ पठित कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम 1948 (1948 का 34) की धारा-46 (2) द्वारा प्रदत्त मिन्तियों के अनुसरण गुजरात में महानिदेशक ने 16-10-92 ऐसी सारीख के रूप में निष्यित की है जिसमे उक्त विनियम 95-क तथा ग्जरात क्रमंचारी राज्य बीमा नियम-1963 में निर्विष्ट चिकित्सा हितलाभ गुजरात राज्य में निम्नलिखित क्षेत्रों ने बीमांकित व्यक्तियों के परिवारों पर लागु किये जायेंगे।

अर्थात्

''जिला सूरत में नगर पालिका की विस्तृत सीमाओं के अन्तर्गत आने वाले क्षेत्र, उन क्षेत्रों के अतिरिक्त जहां उक्त प्राथधान पहले ही प्रवृत्त किये जा चुके हैं।

> एस० घोष संयुक्त बीमा आयुक्त

नई जिल्लो, दिनांक 2 नवस्थर 1992

संख्या य ०-16/53/90-चि ०-2 (प्र० ब ०):---कर्मचारी राज्य बीमा निगम (साधारण) विनियम, 1950 के तहत महानिदेशक को निगम की मक्तियां प्रदान करने के संबंध में कर्मचारी राज्य बीमा निगम की दिनांक 25 अप्रैल, 1951 को हुई बैठक में पास किए गए संकल्प के अनुमरण में तथा महानिदेशक के आदेश संख्या: 1024(जी) विनांक 23 मई, 1983 द्वारा ये शक्तियां आंगे मुझे सौनो जाने पर मैं इसके द्वारा कज़कता की डा० (श्रीमती) एम० सरकार को विद्यमान मानकों के अनुसार देव पारिश्रमिक पर दिनाक: 1-12-1992 में 30-11-1993 तक या कियी पूर्णकालिक चिकित्सा निर्देशी के कार्यभार प्रहण करने की तिथि तक, इसमें से जो भी पहुले हो, कलकता केन्द्र के बीमाकृत व्यक्तियों की स्वास्थ्य परीक्षा करने तथा मूल प्रमाण-पत्न की सत्यता में सन्देह पर उन्हें आगे प्रमाण-पत्न जारी करने के प्रयोजन के लिए चिकित्सा अधिकारी है कप में कार्य करने के लिए प्राधिकृत करती हूं।

> डा० (श्रीमती) ए० ए० अम्बेकर चिकिश्सा अध्यक्ष

कर्मचारी भविष्य निश्चि संगठम

केन्द्रीय कार्यालय

नई पिल्ली-110001, दिनांक 07 अक्तूबर 1992

सं के अन् निश्वा 1 (4) कर्ना / (412) / 92 / 3240 — केन्द्रीय भिवष्य निधि आयुक्त को जहां प्रतीत होता है कि निम्नलिखित स्थापनाधों से संबंधित नियोक्ता तथा कर्मचारियों का बहुमत इस बात से सहमत है कि कर्मचारी भिवष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापनाध्रों पर नागू किए जायें।

क्रम सं० कोड संख्या	स्थापना का नाम व पता	व्याप्ति की तिथि
1. कर्नाः /147 01	मै० टी० कर्नाटका माइनोरटीज डिबलपमेंट कार० लि०, विष्वेष्ठवरैया सैन्टर, 12 वीं मंजिल, मेन टावर, डा० बी०आर अम्बेडकर–वी०डी०, बंगलौर–560001	30-11-1991
2. कर्ना∘/14278	मै ० सुदर्शन कारगो इंटरनेशनल, एम एस व्याई ०एल ० हाउस, एयर कार्गो काम्पलेक्स अपोजिट हाल एयरपोर्ट, अंगलौर-17	31-12-1990
3. कर्नाः/14667	मैं ॰ स्वाति सिक्योरिटी मर्विसेज, 94/1, पाइमप लाइन रोड, दूसरा मेन बिनी/आर पी सी ले–आउट, विजयनगर, दूसरी स्टेज, बंगलौर–40	01-04-1991
4. कर्ना∘/14610	मैं आरक्स टैक्नास्रोजी प्रा० लि०, 201 एम्बेसी वैम्बर्स, दूसरा तल, 5, विट्ठल मलैया रोड, बंगलौर-560001	01-12-1991
5. कर्ना ० / 1 2 7 0 3	मै ० स्वाति इंजीनियर्स, दुगजाराकाटे, केयरगंला पोस्ट, बेन्टवाल तालुक, डी ॰के ०~ 574153	01-09-1991
6. कर्ना०/14340	मै० अनु० दनिता शिक्षण संस्था, ननकार। सहकार संघ क्षि०, शिमोगा	28-02-1991

अतः मैं ०, बी एन ० सोम, केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उप धारा 4 द्वारा प्रयक्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उपर्युक्त स्थापनाध्रों को उस या उस प्रभावी तिथि से अधिनियम को लागू करता हूं जो उक्त स्थापनाध्रों के नाम के सामने दर्शार्ट गई हैं।

वी०एन० सोम, कंग्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त

सं० के० भ० नि० आ० 2 (4)/दिल्ली (446)/92/3243—केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त को जहा प्रतीत होता है कि निम्नलिखित स्थापनाओं। में संबंधित नियोक्ता तथा कर्मचारियों का बहुमन इस बात में सहमत है कि कर्मचारी भविष्य निधि भीर प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापनाओं। पर लागू किए जायें।

ासं० कोड संख्या	स्थापनाकानाम व पता	व्याप्ति की तिथि
1 2	3	4
1. दिल्ली/14280	मै॰ कुनाल ट्रैबल्स प्रा॰ लि 6/103, कौशल्या पार्क. हौज खास, नई दिल्ली110016	01-01-1992
2. दिल्ली/14265	मै ० क्रिस्टल एन्टरप्राइजिज, 1376 सी-1, वसम्त कुंज, नई विल्ली-37	01-01-1992
3. दिल्ली/13310	मै० आटो यार्ज 13—केप्एम मथुरारोक्क, नर्इविल्ली—110044	01-06-1990
4. विल्ली/13229	मै ० हेमकुंत सिक्योरिटी सर्विसेज, 319, एम ∘एस० फ्लैटस, टावर⊶1, ईस्ट आफ कैलाश, नई दिल्ली	01-05-1991

	2	4
1 2	3 	4
5. विरुषी/13503	मै ० इण्टरनेशनल डियलपमेंट रिस र्च सै न्टर 11, जोर झाग, नई दिल्ली110003	01-08-1991
 दिल्ली/13783 	मै० मैटल फैब०, 11ए नजफगढ़ रोक, नई दिल्ली—110015	01-09-1991
7. दिल्ली /13391	मै० इंडो लिक्स पर्सनल एण्ड सिक्योरिटी सर्विसेज. सी~103, दयानन्द कालीनी, लाजपत नगर, नई दिल्ली−110024, इसके विभाग/शाखाद्यों सहित ।	01-07-1991
8. दिल्ली/13527	मै॰ ए॰बी॰सी॰ लैटर्स बी65, मायापुरी इण्डस्ट्रियल एरिया, फेस-11, नई विल्ली110064	01-08-1991
9. विल्ली/14338	मै ० वैस्टर्न इंडिया सिक्योरिटीस लि ०, ए1/43, सफदरजंग एन्यलेय नई दिल्ली110029/ इसकी शाखा/यूनिट सहित	17-12-1991
10. विल्ली/14339	मै० वैस्टर्न इंडिया शुगर एण्ड कैमिकल इण्डस्ट्रीज लि०, बी०–55, पश्चिमी मार्गे, वसन्त विहार, नई विस्ली–57 शाखाम्रों ृंसहित ।	22- 0 4- 1991
11. विल्ली/14283	मै गोल्डन एन्टरप्राइजिज हाल सं० 2 सी०ए०आर०ए० सैन्टर 2 ई झन्डेबालान एक्सटेंशन नई दिल्ली—110055	01-08-1991
12. दिल्ली/13683	मैं० चन्द्रा पेंट इण्डस्ट्रीज 3 ईस्ट पार्क रोड, करोल बाग नई दिल्ली−110005	01-10-1991
13. विरुली /14258	मै॰ के॰के राजन एण्ड एसोसिएटस 104 जे एक्स- टेंशन लक्ष्मी नगर दिल्ली-110092	01-01-1992
14. विल्ली/13780	मै॰ घ्रोंकार सिक्योरिटी एन्टरप्राइजि ण ई -45, कौशल्या भवन, मोहन बाबा नगर ताजपुर एक्स ० वदरपुर दिल्ली-110044 गाखा र्घो सहित	14-10-1991
15. विल्ली/14293	मै योगिन्द्र कुमार जैन 1400/1 वजीर नगर पोस्ट आफिस स्ट्रीट सं 7 कोटलामुबारकपुर. मई दिल्ली—110003	01-03-1992
16. दिल्ली/14317	मै० नेशनल प्रोजेक्ट इस्पलीमैनटेशन यूनिट, सी-24 फेंडस कालोगी मथुरा रोड-5 नई दिल्ली-110065	01-04-1991
17. विल्ली/14332	मै० रेबफैल एण्ड कं० 28 फायर ब्रिगेड लेन, नई विल्ली—110001	01-02-1992
18. दिल्ली/9727	मै० सैन्ट्रल हिन्दी डायरेक्टरेट डिपार्टमेंट फैन्टीन, वैस्ट ब्लाक सं० 7 आर०के० पुरम, नई दिल्ली-110066	01+10-1988

अतः मैं वी एन सोम केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त उक्त अधिनियम की धारा 1 की उप-धारा 4 द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उपर्युक्त स्थापना को उस या उस प्रभावी तिथि से अधिनियम को लागू करता हूं जो उक्त स्थापना के नाम के सामने दर्शाई गई है।

वी० एन० सोम केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त सं के विभाग 1 (4)/एम व्यव (448)/ 92/3246—केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त को जहां प्रतीत होता है कि निम्नलिखित स्थापनाध्रों से संबंधिया नियोक्ता तथा कर्मचारियों का बहुमत इस बात से सहमत है कि कर्मचारी भविष्य निधि धौर प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 को 19) के उपबंध उक्त स्थापनाध्रों पर लागू किए जाये।

क्रमांक को	ा ड सं >	स्थापना का नाम व पता	व्याप्तिकी तिथि
1. एम	ग∘एच०/29724	मै॰ कोल्हापुर चैम्बर्स आफ कामर्स एण्ड इण्डस्ट्रीज, कोल्हापुर इंजीनियरिंग एसोसिएशन विल्डिंग शिवाजी, उद्यम नगर, कोल्हापुर	01-03-1992
2. एम	४०एच ० / 29276	मै० रत्नागिरी जिला माध्यमिक अध्यापक सहकारी पेटपेडी लि० रत्नागिरी	01-03-1992
3. गोः	अर र/ 1 0 3 5 8	मै० ''महामाया'', पी॰ ग्रो० बाक्स सं० 13, फान्टेनीहास माला पणजी, गोआ	01-03-1992
4. गो	या/103 5 9	मैं ० यूनिक फ्लैक्सीबल कन्वर्टमं २०७ ध्वजीम, स्रोल्ड गोवा, गोवा४०३४०२	01-11-1990
5. गोर	म ा/10450	मै० एम०आर० इतियपमेंट डी2, 34 मेनकोयेल इण्डस्ट्रियल एरिया जुआरी नगर, गोव (-403726	01-09-1991

अतः मैं, बी०एन० सोम, केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त, उक्त अधिनियम की धारा । की उप धारा (4) द्वाराप्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उपयुक्त स्थापना को उस या उस प्रभावी तिथि से अधिनियम को लागू करते हैं जो उक्त स्थापना के नाम के सामने दर्शाई गई है।

> बी० एन० सोम, केन्द्रीय भविष्य निघ्न आयुक्त

सं के के भ नि नि आ । (4) एम विषि (450) | 92 | 3248 — केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त को जहां प्रतीत होता है कि निम्नलिखित स्थापनाभ्रों से संबंधित नियोक्ता तथा कर्मचारियों का बहुमत इस बात से सहमत है कि कर्मचारी भविष्य निधि भौर प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापनाभ्रों पर लागू किए आर्थे।

क्रमांक कोडसंख्या	स्थापना का नाम व पता	व्याप्तिकी तिथि
1. एम∘पीः √7442	मै० श्रमिक नागरिक सहकारी बैंक लि० 123 देवी अहिल्या मार्ग, इंदौर	01-04-1992
2. एम ःपी०/7388	मै॰ संगम सिक्योरिटी सर्विसेज एण्ड एम्पलाइमेंट एजेंसी, 118 आणियाना ए पी॰ आप कालोनी बिलहारी, जबलपुर20	01-04-1991
3. एम⇒पी श/7387	मै० कै रीफास्ट एजेंसीज 29 लसूटिया मोरी ए०बी० रो ड दे वास नाका इन्दौर णाखाधों/यृनिट सहित	01-11-1921
4. एम पी ·/7314	मै० सोनोट्रानियस (इंडिया) 249 बी सेगम नगर, इन्दौर६	01-01-1992

अतः मै, बी र एन सोम, के द्रीय भविष्य निधि आयुक्त उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्र**दक्त शक्तियों का प्रयोग करते** हुए स्थारना को उभ या उस प्रभावी निथि ने अधिनियम को नाग् करते हैं जो उत्तर स्थापना के नाम के सामने दर्शाई गई है।

> बी० एन० सोम; केन्द्रीय भविष्य निधि अग्युक्त

सं के अभविष्या ११ (4) कर्ना (456)/92/3251—केन्द्रीय भविष्य निधि आयुवत को अहाँ प्रतीत होता है कि निम्नलिखित स्थाप-नाभीं से संबंधित नियोक्ता तथा कर्मचारियों का बहुमत इस बात से सहमत है कि कर्मचारी भविष्य निधि श्रौर प्रकीर्ण उपवंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपवंध उक्त स्थापनाभों पर लागू किए आयें :—

ऋमांक	कोड संख्या	स्थापना का नाम व पता	व्याप्ति की तिथि
1.	कर्मा ०/14715	मै॰ आकंटिक (इंडिया) मैन्यू० (प्रा॰) लि॰, 6/17-ए, 8वां कास 80 फीट रोड, 6 ठा ब्लाक, राजाजी नगर, बंगलौर	01-1-1991
2.	कर्ना ० /1451 0	मै ० परफैक्ट अप्रै ल्स प्रा० लि०, ^६ सं० ६ विलाख ली, बेनरघटा रोड, बंगलौर76	01-7-1991
3.	. कर्ना∘/14705	मै ० दी० बंगलीर म्युनिसिपल कारपोरेशन लि०, शैडयूरुड कास्ट वर्कसं को–आप० सोसा० लि०. पूर्विया छन्नम रोड, बंगलीर–53	01-08-1991
4	. कर्मा∘/14509	मै० बी० बी० एस० एलायस, 141 की ''9'' ए रोड, बोमसन्दरा इंडस्ट्रियल एरिया डे वागोड, बंगलौर-158, ब्राच/यूनिट सहित	01-08-1990
5	. कर्ना०/14716	मै० <mark>विजू मार्केटिंग प्रा</mark> ० लि०, 740, 80 फीट रोड, 6ठा ब्लाक, राजाजी नगर, बंगलौर 560010	01-01-1992
6	. कर्ना /14768	मै० सौहर्द इंजीनियरिंग (प्रा०) लि०, 893-ए, जेबाविला पीछे अय पम टेंपल, देसाराहली, बंगलौर	01-12-1991
. 7 .	. कर्ना०/14747	मै० बेनालोसाध्स प्रोडक्ट्स, 22, छो०एम०आर० इंड० इस्टेट, दूरवाणीनगर, बंगलौर16	01-11-1991
. 8	. कर्ना∘/14368	मै० मयर काम्प्लैक्स टिफिन रूम डिपार्टमेंट आफ टेसी कम्यू०, 1 कास, 2 तल, मयूर काम्पलैक्स, गोधी नगर, बंगलौर-9	01-05-1991
9). कर्ना०/14225	मै० भागेण्यर अर्बन को-आप० बैंक लि०, रानिनेनूर-581115	01-01-1991

अतः मैं, बी॰एन॰ सोम, केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उप धारा 4 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उपर्युक्त स्थापना को उस या उस प्रभावी तिथि से अधिनियम को लागू करता हूं जो उक्त स्थापना के नाम के सामने दर्शाई गई है।

> बी० एन० सोम, केन्द्रीय भविष्य निश्चि आयुक्त

सं ० के० भ० नि०आ० 1 (4) पंजाब (459) /92/3254---केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त को जहां प्रतीत होता है कि निम्नलिखित स्थापनाओं से संबंधित नियोक्ता तथा कमचारियों का बहुमत इस बात से सहमत हैं कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापनाओं पर लागू किए जायें:---

क्रमांक कोड संख्या	स्थापना का नाम व पता	व्याप्ति की तिथि
1. पंजाब/13290	म० जय पैराबोलिक स्पिरिज्स लि०, ए-30 (ए०) फेस-VII, इण्डस्ट्रियल एरिया, एस० ए० एस० नगर, ब्रांचों सहित	01-10-1991
2. पंजाब/10660 🖔	ृृ मै० परवाम् पैकर्स (प्रा०) लि०, परवान् डिस्ट्रिक्ट, सोलन, हिमाचल प्रदेश, ब्रांचों सहित	01-11-1984

अत: म, बी०एन० सोम, केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उपर्युक्त स्थापना को उस या उस प्रभावी तिथि से अधिनियम को लागू करता हूं जो उक्त स्थापना के नाम के सामने दर्शाई गई हैं।

> बी० एन० सोम, केन्द्रीय भविष्य निधि आयक्त

सं० के० भ० नि० आ० 1 (4) एम० पी० (464)/92/3257—केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त को जहां प्रतीत होता है कि निम्नलिखित स्थापनाओं से संबंधित नियोक्ता तथा कर्मचारियों का बहुमत इस बात से सहमत हैं कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापना पर लागृ किए जायें:——

क्रमांक	कोड सं०	स्थापना का नाम व पता	व्याप्ति की तिषि
1.	एम०पी०/7431	मै० हर्षिसा हैण्डलिंग, नियर फारेस्ट नाका, रा <mark>यसेन रोड</mark> , आनन्द नगर, भोपाल	01-06-1991
2.	एम०पी०/7425	मै० दी भारत भवन, स्थामला हिल्स, भोपाल	01-03-1992
3.	एम०पी०/7325	मै० नेशनल एक्स सर्विसमैन सिक्योरिटी आ र्गेनाइजेशन , एफ~6, चार इमली, भोपाल	01-01-1992
4.	एम०पी०/7316	मै० पेस्ट कन्ट्रोल सर्विसेज, शाहीन मंजिल नियर केलावली, मस्जिद मोतिया पार्क, भोपाल	01-01-1992
5.	एम ०पी०/5 696	मै० महेश्वरी न्यूटरीनेंटस लि०, विलेज बाकनेर, तहसील, महेश्वर जिला, कनारगुम, एम०पी० शाखाओं सहित	31-10-1987
6.	एम ० पी०/7 393	मै० नागरिक सहकारी बैंक लि०, पंधुराना, जवाहर वार्ड, 🚦 पंधुराना जिला, छिबवाड़ा, एम०पी० (शाखाओं सहित)	01-07-1991
7.	एम०पी०/7452	मै० इलैक्ट्रो सिबिल कारपोरेशन, ६० ए, इन्डिरापुरी, ई भोपाल	01-03-1992
8.	एम०पी०/7452	मैं० औ० के० कन्स्ट्रवशन, एल०आई०जी० 362, सेक्टर ए, सोनागिरी, पिपलानी, भोपाल	01-03-1992
9.	एम॰पी॰/7456	मै० नेपानगर नागरिक सख सहकारी संस्था, मर्यादित, सिनेमा रोड, नेपानगर, म० प्रदेश	01-11-1990

अतः मैं, बी० एन० सोम, केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रवक्त सक्तियों का प्रयोग करते हुए उपर्युक्त स्थापना को उस या उस प्रभावी तिथि से अधिनियम को लागू करते हैं जो उक्त स्थापना के नाम के सामने वर्शाई । गई हैं।

> बी० एन० सोम, केन्द्रीय भविष्य निश्वि आ**गु**क्त

श्रम मंत्रालय

केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त का कार्यालय नर्ष विल्ली-110001, दिनांक 7 अक्तूबर 1992

सं. 2/1959/डी. एल. आई./एक्जाम/89/भाग-1/3262—जहां मैसर्स सूपर केंबल्स महीत्स (इण्डिया.प्रा. लि. पो. आ. मांगलिया वास अजमेर) केंडि गं./आर.जे./4678 ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा 2 (क) के अन्तर्गत छूट के लिए आवेदन किया है (जिसे इसमें इसके पहचात् उक्त अधिनियम कहा गया है)।

चूंकि मैं, बी. एन. सोम, केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस बान से संतष्ट हूं कि उक्त स्थापना के कर्मधारी कोई अलग अंशदान या प्रीमियम की अदायगी किये बिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामृहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं, जो कि एसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 के अन्तर्गत स्वीकार्य लाभों से अधिक अनुकर्ल हैं (जिसे इसमें इसके पश्चात् स्कीम कहा गया है)।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2 (क) द्वारा प्रदल शिक्तयों का प्रयोग करते हुए तथा इसमें साथ संसग्न अनुसूची में उल्लिखित शतों के अनुसार में, बी. एन. सोम, उक्त स्थापना की उल्लिखित पिछली तारीख से प्रभावी जिस तिथि से उक्त स्थापना की क्षेत्रीय भिष्ठिय निधि आयुक्त राजस्थान ने स्कीम की धारा 28 (7) के अन्तर्गत ढील प्रदान की है, 3 वर्ष की अविधि के लिए उक्त स्कीम से संचालन की छट बेता हैं। (दिनंक 1-5-88 से 30-4-91 तक)।

अनुसूची- ${f I}$

- 1. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक (जिसे इसमें इसके पष्णात् नियोजक कहा गया है) सम्बान्धत क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त, को एसी विवर्णिया भेजेगा और एसे लेखा रखेगा सथा निरीक्षण के लिए एसी सुविधाएं प्रवान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त, समय-समय पर निविष्ट करें।
- 2. नियोजक, एसे निरीक्षण प्रभारी का प्रत्यंक मास की समाप्ति को 15 दिन के भीतर संदाय करणा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त आधानयम की धारा 17 की उपधारा (3-क) के खण्ड-क के अधीन समय-समय पर निद्देश करें।
- 3. सामृहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अंतर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरिणियों का प्रस्तृत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संवाय लेखाओं का अंतरण निरीक्षण प्रभार का संवाय आवि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जायेगा।
- 4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार व्वारा अनुमोदित सामृष्टिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संबोधन किया जाए, तब उस संबोधन की प्रति सथा कर्मचारियों की बहु-संख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद स्थापना के सूचना पट्ट पर प्रविशिष्ठ करेगा।
- 5. यृदि काई एसा कर्मचारी जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्स अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निधि का पहले से ही सबस्य हैं, उसको स्थापना में नियोजित किया जाता हैं तो, नियोजिक सामूहिक बीमा स्कीम के सबस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संबक्त करेगा।
- 6.2 यहि उन्ता स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ ब्लाये जाते हैं तो नियोजक सामृहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में समृचित रूप से वृद्धि कियं जाने की व्यवस्था करेगा, जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामृहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध लाभों से अधिक अनुकृत हो जो उक्त स्कीम के अधीन अनुकाय हैं।
- 7. सामृहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यू पर इस स्कीम के अधीन संबंध राश्चि उस राश्चि से कम है जो कर्मचारी को उस देशा में संबंध होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियंजिक कर्मचारी के विधिक वारिश/नाम निव्धितों को प्रतिकर के रूप में दोनों राशियों के अन्तर बराबर राश्चि का संवाय करेगा।
- 8. सामृहिक बीमा स्कीम के उपबंधों में कोई भी संशोधन सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि जायुक्त के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकृत प्रभाव पड़ने की संभावना हो, वहां क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना डिन्टकोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर देगा।

- 9. यिष किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम को उस सामृहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापना पहले अपना चुकी है अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले किसी रीति से कम हो जाते हैं तो यह रवब की जा सकती है।
- 10. यदि किसी कारणवश नियोजक उस नियत तारीख के भीतर जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करों, प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है और पालिसी को व्ययगत हो जान दिया जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है।
- 11. नियोजक व्यारा प्रीमियम के संवाय में किए गए किसी व्यक्तिकम की दशा में उन मृत सदस्यों के नाम निदाधितों या विधिक वारिशों की जो यदि यह छुट न की गई होती तो उक्त, स्कोम के अंतगत होते, बीमा नाभों के संदाय का उत्तरवायित्य नियोजक पर होगा।
- 12. जनत स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के अधीन आनं वाल किसी सबस्य की मृत्यु होने पर उसके हकवार नाम निद्विश्वां/विधिक बारिशों की बीमाकृत राधि प्राप्त होने के एक माह के भीतर सुनिश्चित करोगा।

बी., एन सोम ,; केन्द्रीय भूविष्य निर्मेश आयुक्त

विनांक 11 नवम्बर 1992

स. 2/1959/डी. एल. आई /एक्जाम/89/भाग-1/3268—जहा मससं गर्लेंड फारमा प्रा. लि., कार्यालय ब फ क्टरा 6-3-862, अमीरपट, ह दराबाद-500016 (ए.) पा.) (काड न , ए. पा./13371) ने कमचारा भावष्य निधि और प्रकाण उपबन्ध अधिनयम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा 2 (क) के अन्तर्गत छूट विस्तार के लिए आवदन किया है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है), ।

चूंकि मैं, बी. एन. साम, केन्द्रीय भाषाय निधि आयुक्त इस बात से संस्ट हुं कि उक्त स्थापना के कमचारी कोई अलग अंशवान था प्रीम्थिम की अवायगी किये बिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामृहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहें हैं, जा कि एसं कमचारियों के कर्मचारी निक्षंप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 के अन्तर्गत स्वीकार्य लाभों से अधिक अनुकृत हैं (जिसे इसमें इसके परचात् स्कीम कहा गया हैं)।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2 (क) द्वारा प्रवत्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए श्रम मंत्रालय भारत सरकार/केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त की अधिसूचना संख्या 2/1959/डो. एल. आई./एक्जाम/89/पार्ट-1 दिनांक 29-1-92 के अनुसरण में तथा संलग्न अनुसूची में निर्धारित शर्तों के रहते हुए में, बी. एन. सोम, उक्त स्कीम के सभी उपजन्धों के संचालन से उक्त स्थापना की और 3 वर्ष की अवधि के लिए छूट प्रवान करता हूं, विनांक 1-3-93 से 29-2-96 तक लागू हागा जिसमें यह तिथि 29-2-96 भी शामिल हैं।

- उक्त स्थापना के सम्बन्ध मं नियोजक (जिसं इसमें इसके पदचात् नियोजक कहा गया है) सम्बन्धित क्षेत्रीय भिवष्य निधि आयुक्त, को एसी विवरणियां भेजेगा और एसे लेखा रखंगा तथा निरोक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त, समय-समय पर निर्दिष्ट करें।
- 2. नियोजक, एसे निर्राक्षण प्रभारी का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर सदाय करेगा जा केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा (3-क) के खण्ड-क के अधीन समय-समय पर निद्येष करें।
- 3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लंखाओं का अन्तरण, निरीक्षण प्रभार का संदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का बहुन नियोजक व्वारा किया जायेगा।
- 4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामृहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति बार जब कभी उनमें संशोधन किया जाय, सब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहु संस्था की भाषा में उसकी मृह्य बातों का अनुवाद स्थापना के सूचना पट्ट पर प्रवर्शित करेगा।
- 5. यदि काई एसा कर्मणारी जा कर्मणारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निधि का पहले से ही सदस्य है, उसकी स्थापना में नियोजित किया जाता है तो, नियोजिक सामृहिक बीमा स्कीम के सबस्य के रूप में उसकी नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी नाम आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संदत्त करेगा।
- 6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ सकाए जाते हैं तो नियोजक सामृहिक बीमा स्कीम के सधीन कर्म-धारियों को उपलब्ध लाओं में समृचित रूप से वृद्धि किए जाने की ध्यवस्था करेगा, जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामृहिक बीमा स्कीम के सधीन उपलब्ध लाओं से अधिक अनुकृत हो जो उक्त स्कीम के सधीन उपलब्ध लाओं से अधिक अनुकृत हो जो उक्त स्कीम के सधीन अनुश्ये हैं।
- 7 सामृहिक बीमा स्काम में िकसी बात के हातं हुए भी यिंच किसी कर्मचारी की मृत्यू पर इस स्कोम के अधीन संबंध राशि उस राशि से कम है जो कर्मचारी का उस वशा में सबय होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मधारी के विधिक बारिस/नाम निवर्णेशकों को प्रतिकर के रूप में दोनों राशियों के अन्तर बराबर राशि का संवाय करेगा।
- 8. साम्हिक बीमा स्कीम के उपबन्धा में कोई भी संशोधन सम्बन्धित क्षेत्रीय भिष्ठिय निधि आयुक्त के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जायेगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकृत प्रभाव पड़ने की संभावना हो, वहां केंत्रीय

- भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन दोने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दिष्टकोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवस्र दोगा।
- 9. यदि किसी कारणवश्च स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामृहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापना पहले अपना चुकी है अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले लाभ किसी रीति से कम हो जाते है तो यह रख्द की आ सकती है।
- 10 यदि किसी कारणवंश नियोजक उस नियंत तारीच के भीतर जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियंत कर, प्रीमियम का संवाय करने में बसफल रहता है और पालिसी को व्ययगत हो जाने दिया जाता है तो छूट खुद की जा सकती हैं।
- 11. नियोजक ब्वारा प्रीमियम के संवाय में किये गये किसी व्यक्तिकम की दशा में उन मृत सदस्यों के नाम निविधितों या विधिक वारिशों को जो यदि यह छूट न दी गई हाती तो उकत स्कीम के अन्तर्गत होते, बीमा लाभों के संवाय का उत्तरदायित्य नियोजक पर हाता।
- 12. उक्त स्थापना की सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सबस्य की मृत्यू होने पर उसके हकदार नाम निवंकीशतों/विधिक वारिसों की बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह को भीतर सुनिध्यित करगा।

थी एन सोम, केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त

सं. 2/1959/की. एल. आई /एकजाम/89/भाग-1/3274—जहां मैर्स गोदावरी फटी लाइजर्स एड की मकल्स सि., 50, सिकासिटयन एड, सिकन्यराबाद-500003 (ए. पी./12955) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीण उपबन्ध अधि-नियम, 1952 (1952 का 19) की भारा 17 की उपभारा 2 (क) के अन्तर्गत छूट विस्तार के लिए आवेदन किया है (जिसे इसके प्रचात उवस अधिनयम कहा गया है)।

चूं कि मैं, बी. एन. सोम, केन्द्रीय भविष्य निधि बायू कर इस बात से संसूष्ट हूं कि उकर स्थापना के कर्मवारी कोई असग अंशवान या प्रीमियम की अवायगी किये बिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं, जो कि एसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निक्षेप सहबव्ध बीमा स्कीम, 1976 के अन्तर्गत स्कीकार्य खाओं से अधिक अनुकर्स हैं। (जिसे इसमें इसके पश्चात स्कीम कहा गया हैं)।

अतः उक्त अधिनियमं की धारा 17 की उपधारा 2 (क) व्यारा प्रवक्त शिक्तगों का प्रयोग करते हुए श्रम मंत्रालय भारत सरकार/केन्द्रीय भिवच्य निधि आयुक्त की अधिसूचना संख्या 2/1959/डी. एल. आई./एक्जाम/89/पार-1 दिनांक 19-12-89 के अनुसरण में तथा संलग्न अनुसूची में निधारित शतों के रहते हुए मैं, बी. एन. सोम, उक्त स्कीम के सभी उपबन्धों के संचालन रे उक्त स्थापना को और 3 वर्ष की अवधि के लिए छूट प्रवान करता हूं, विनांक 1-12-90 से 30-11-93 तक लागू होगा जिसमें यह तिथि 30-11-93 भी शामिल है।

- 1. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक (जिस इसमें इसके परचात् नियोजक कहा गया है) सम्बन्धित क्षेत्रीय भिषध्य निधि अगुक्त, को एसी विवरणिया भेजेगा और एसे लेखा रखेगा तथा निरक्षिण के लिए एसी सृविधाएं प्रवान करेगा जो कन्द्रीय भविष्य निधि आगुक्त, समय-समय पर निर्विष्ट करें।
- 2. नियोजक, एसं निरिक्षण प्रभारी का प्रत्येक मास की समाप्ति की 15 दिन को भीतर संदाय करना जा केन्द्राय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3-क) के खंड-क की अधीन समय-समय पर निद्दा करने।
- 3. सामृहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अन्तर्गत संखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संवाय, लेखाओं का अन्तरण, निरीक्षण प्रभार का संवाय आदि भी हैं, होने वाले सभी व्ययों का बहुम नियोजक दुवारा किया जायेगा।
- 4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामृहिक नीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनुमें सशाधन किया जाय, सब उस संशोधन की प्रति सथा कर्मचारियों की बहुसंस्था की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद स्थापना के सुचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।
- 5. यदि कोई एसा कर्मचारी, जो कर्मचारी अविषय निधि का या उकत अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना को भविष्य निधि का पहले से ही सदस्य हैं, उसको स्थापना में नियोजित किया जाता हैं तो, नियोजिक सामृहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तूरन्त वर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संवत्त करेगा।
- 6. यवि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों का उपलब्ध लाभ बढ़ाये जाते हैं तो नियोजक सामृहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में समृचित रूप से वृद्धि किए जाने की व्यवस्था करेगा, जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामृहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध लाभों से अधिक अनुकृत हो जो उक्त स्कीम के अधीन अनुकृत हैं।
- 7. सामृहिक बीमा स्कीम में किसी बात के हाते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यू पर इस स्कीम के अधीन संवेय राशि उस राशि से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संवेय होती कब वह उकत स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नाम निवंशितों को प्रतिकर के रूप में दोनों राशियों के अन्तर बराबर राशि का संवाय करगा।
- 8. सामृहिक बीमा स्कीम के उपबंधों में कोई भी संशोधन सम्बन्धित कोत्रीय भविष्य निर्धि आयुक्त के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जायेगा और जहां किसी संशोधन से कर्म-चारियों के हिल पर प्रतिकृत प्रभाव पडुने की संभावना हो, वहां क्षेत्रीय भविष्य निधि बायुक्त अपना बनुमोदन देने से पूर्व

कर्मचारियों को अपना रिष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर दोगा।

- 9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन नीमा निगम की उस सामृहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापना पहले अपना खुकी ही, अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले जाभ किसी रीति से कम हो जाते ही तो यह रदद की जा सकती है।
- 10. यदि किसी कारणवश्च मियोजक उस नियत तारी के भीतर जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करें, प्रीमियम का संवाय करने में असफल रहता है और पालिसी को व्ययगत हो जाने दिया जाता है तो छूट रव्व की जा सकती हैं।
- 11. नियोजक व्यारा प्रीमियम के संदाय में किए गए किसी व्यतिकम की दशा में उन मृत सदस्यों के नाम निद्धितों या विधिक वारिसों को जो यदि यह छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अंतर्गत होते, बीमा लाभों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।
- 12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसे हकदार नाम निद्गितां/विधिक वारिशों की बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर सुनिष्कत करेगा।

की. एन. सोम, केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त

सं. 2/1959/डी. एल. आई./एक्जाम/89/भाग-1/3280—जहां मैंसर्स रामालक्ष्मी स्पिनंस (प्रा.) लिमिटेड, काटन मिल्स रोड, पीलामेड, कायम्बट्र-4 (काड नं टी.एन./10521) ने कर्मचारी भिनष्य निधि और प्रकीर्ण उपजन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा 2 (क) के अन्तर्गत छूट के लिए आवेदन किया है (जिसे इसमें इसके प्रचात उक्त अधिनियम कहा गया है)।

चूंकि में, बी. एन. सोम, केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस बात से संतृष्ट हूं कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अलग अंधादान या प्रीमियम की अदायगी किये बिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामृष्टिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं, जो कि एसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 के अन्तर्गत स्वीकार्य लाभों से अधिक अनुकृत हैं (जिसे इसमें इसके परचात् स्कीम कहा गया है)।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2 (क) द्वारा प्रवत्त इक्तियों का प्रयोग करने हुए तथा इसके साथ संलग्न अनुसूची में उल्लिखित हातों के अनुसार मैं, बी. एन. सोम, उक्त स्थापना की उल्लिखित पिछली तारीख से प्रभावी जिस तिथि से उक्त स्थापना की क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त कोयम्बटूर ने स्कीम की धारा 28 (7) के अन्तर्गत ढील प्रदान की है, 3 वर्ष की अविध के लिए उक्त स्कीम से संचालन की छूट देता हूं। (विनांक 1-8-88 से 31-7-91 तक)।

- 1. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक (जिसे इसमें इसके पश्चात् नियोजक कहा गया है (सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि बायुक्त, को एसी विवरणियां भेजेगा और एसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए एसी सुविधाएं प्रधान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि बायुक्त, समय-समय पर निविष्ट करें।
- 2. नियोजक, एसे निरीक्षण प्रभारी का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संवाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा (3-क) के कण्ड-क के अधीन समयसमय पर निवांक्ष करा।
- 3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अंतर्गत लेखाओं का रसा जाना, विवरणियों का प्रस्तृत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संवाय लेखाओं का अंतरण निरक्षिण प्रभार का संवाय आबि भी है, होने बाले सभी व्ययों का बहन नियोजक बुवारा किया जायेगा।
- 4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामृहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संघोधन किया जाए, तब उस संघोधन की प्रति कर्मचारियों की बहु संख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद स्थापना के सूचना पट्ट पर प्रविधित करेगा।
- 5. यदि कार्क एसा कर्मचारी जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम को अधीन छुट प्राप्त किसी स्थापना की भिक्या निधि का पहले से ही सबस्य है, उसको स्थापना में नियोजित किया जाता है तो, नियोजिक सामृहिक बीमा स्कीम के सबस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करोगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संबक्त करोगा।
- 6. यदि उक्त स्कीम के अधीभ कमचारियों को उपलब्ध लाभ बढ़ाये जाते हैं तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कमचारियों को उपलब्ध लाभों में समूजित रूप से वृद्धि किये जाने की व्यवस्था करोगा, जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्किम के अधीन उपलब्ध लाभों से अधिक अनुकर्त हो जो उक्त स्कीम के अधीन अनुक्षेय हैं।
- 7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेय राशि से कम है जो कर्मचारी की उस बशा में संदेय होती जब बहु उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिशों/ नाम निविधितों को प्रतिकर के रूप में दोनों राशियों के अन्तर बराबर राशि का संवाय करेगा।
- 8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबंधों में कोई भी संबोधन सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया आएगा और जहां किसी संबोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकृत प्रभाव पड़ने की संभाधना हो, वहां क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन दोने से पूर्व कर्मचारियों को अपना छिटकोण स्पष्ट करने का युक्तियुवत अयसर दोगा।
- 9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवम बीमा निगम को उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापना पहले जपना चुकी है अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले किसी रीति से कम हो जाते हैं तो यह रदद की जा सकती है।

- 10. यदि किसी कारणवश नियोजक उस नियत तारीस के भीतर जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करों, प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है और पालिसी को व्ययगत हो जाने दिया जाता है तो छूट रदद की जा सकती है।
- 11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संवाय में किये गये किसी व्यक्तिकम की दशा उन मृत सबस्यों के नाम निविधितों या विधिक बारिशों को जो यदि यह छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते, बीमा लाभों के संवाय का उत्तरदायिक विकेक पर होगा।
- 12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सबस्य की मृत्यु होने पर उसे हकवार नाम निविधियों/विधिक यारिशों की बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर सुनिश्चित करोगा।

थी. एनः सोम, केन्द्रीय भविष्य निधि बायुक्त

सं. 2/1959/डी. एल. आई./एकजाम/89/भाग-1/3286—जहां मैसर्स दि. गुडीवाड़ा कोप. अरबन बैंक लि., गुडीवाडा, कृष्णा जिला, (कोड नं. ए. पी./4168) ने कमीबारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा 2 (क) के अन्तर्गत छूट के लिए आयेवन किया है (जिसे इसमें इसके पहचात उक्त अधिनियम कहा गया है)।

चूंकि मैं, बी. एन. सोम, केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस बात से संतुष्ट हुं कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अलग अंशदान या प्रीमियम की अदायणी किये बिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामृष्टिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं, जो कि एसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 के अन्तर्गत स्वीकार्य लाओ से अधिक अनुकृत हैं (जिसे इसमें इसके परवाद स्कीम कहा गया है)।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2 (क) स्वारा प्रवत्त शिक्तियों का प्रयोग करते हुए अस मंत्रालय भारत सरकार/केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त की अधिसूचना संख्या 2/1959/ई. जी. एल. आई./एक्जाम/89/पार्ट-1 विनांक 20-7-92 के उनुसरण में तथा संलग्न अनुसूची में निर्धारित शतों के रहते हुए में, बी. एन. सोम, उक्त स्कीम के सभी उपधन्धों के संचालन से उक्त स्थापना को और 3 वर्ष की अविध के लिए छूट प्रवान करता हूं, विनांक 1-10-92 से 30-9-95 तक लागू होगा जिसमें यह तिथि 30-9-95 भी सामिल हैं।

· ...

अनुसूची- 1

- 1. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक (जिसे इसमें इसके पश्चात् नियोजक कहा गया है) सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त, को एसी विवरणियां भेजेगा और एसे लेखा रक्षेमा तथा निरक्षिण के लिए एसी सृविधाएं प्रवान करेगा जो केम्ब्रीय भविष्य निधि आयुक्त, समय-समय पर निविष्ट करें।
- 2. नियोजक, एसे निरीक्षण प्रभारी का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संवाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3-क) के लण्ड-क के अधीर समय-समय पर निर्देश करें।
- 3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना. बीमा प्रीसियम का संदाय लेखाओं का अन्तरण निरीक्षण प्रभार का संदाय खादि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जायेगा।
- 4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार व्यारा अनुमोदित सामृहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन किया जाये, तब उस मंगोधन की एक प्रति तथा कर्म- बारियों को बहु संख्या की भाषा में उसकी मृख्य बातों का अनुबाद स्थापना के सूचना पट्ट पर प्रविधित करेगा।
- 5. यदि को है ऐसा कर्मचारी जो कर्मचारी भविषय निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छाट प्राप्त किसी स्थापना को भिराष्य निधि का पहले से ही सबस्य है. उसकी स्थापना में नियोजिए किया जाता है तो, नियोजिक सामृहिक छीमा स्कीम के सबस्य के रूप में उसका नाम त्रन्त वर्ज करोगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संदन्त करोगा।
- 6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ बढ़ाये जाते हैं तो नियोजक सामृहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों की उपबन्ध लाभों में समिजित रूप से विविध किये जाने की व्यवस्था करेगा, जिससे कि कर्मचारियों के लिए साम्हिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध लाभों से अधिक अनुकृत हो जो उक्त स्कीम के अधीन जनुकाय हैं।
- 7. सामृहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मणारी की मत्य पर इस स्कीम के अधीन संदेय राशि से कम है जो कर्मणारी की उस दशा में संदेय होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मणारी के विधिक वारिस/नाम निवाधितों को प्रतिकर के रूप में वानों राशियों के अंतर बराबर राशि का संवाय करेगा।
- 8. सामृहिक बीमा स्वीम के उपप्रत्यों में कोई भी संशोधन सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयक्त के पूर्व अनमोदन के बिना मही किया जाएगा और एहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हिस पर प्रतिकृत प्रभाव पड़ने की संभावना हो, वहां क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोवन दोने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दिस्कोण स्पष्ट करने का यूक्तियुक्त अवसर दोगा।

- 9. यदि किसी कारणवश् स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामृहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापना पहले अपना चुकी है अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले लाभ किसी रीति से कम हो जाते हैं तो यह रह्द की जा सकती है।
- 10. यदि किसी कारणवण नियोजक उस नियस सारीख के भीतर जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियस करों, प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है और पासिसी की व्ययगत हो जाने विया जाता है सो छुट रव्द की जा सकती हैं।
- 11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संवाय में किए गए किसी व्यक्तिकम की दशा में उन मृत सबस्यों के नाम निवर्षिक्तों या विधिक वारिशों को जो यदि यह छूट न दो गई होती तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते, बीमा लाभों के संवाय का उत्तरवायित्य नियोजक पर होगा।
- 12. उक्त स्थापना के संबंध में नियोजक इस स्कीम के अभीन आने वाले किसी सबस्य की मृत्यु होने पर उसके हकदार भाम निवाधितों/विधिक वारिसों की बीमाकृत राश्चि प्राप्त होने के एक माह के भीतर सुमिरिचत करेगा।

बी. एन. सोम, केन्द्रीय भविष्य निधि आगुक्त

सं. 2/1959/डी. एल. आई./एक्जाम/89/भाग-1/3292—जहां मैसर्स ग्रंटर विभाजा लेपरोसी ट्रिटमेंट ए'ड हैंन्थ एजूकेशन स्कीम, 21-1-2 एवीएन कालेज रोड, विभाजापटनम-530001 (ए. पी./5957) ने कर्मजारी भविष्य निधि और प्रकीण उपबन्ध अधिमियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा 2 (क) के अस्तर्गत छुट विस्तार के लिए आवेदन किया है (जिसे इसमें इसके पर्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है)।

मूंकि मैं, बी. एन. सोम, कोन्द्रीय भविष्य निधि बायुक्त इस बात से संतृष्ट हूं कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अलग अंदावान या प्रीमियम की अवायगी किये बिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामृहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं, जो कि एसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निक्षेप सहबव्ध बीमा स्कीम, 1976 के अन्तर्गत स्वीकार्य लाभों से अधिक अनुकूल हैं (जिसे इसमें इसके परचात् स्कीम कहा गया हैं)।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2 (क) व्यारा प्रवत्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए श्रम मंत्रालय, भारत सरकार/केन्द्रीय भिष्ठा निश्चि आगुक्त की अधिस्थाना संख्या 2/1959/डी. एल. आई./एक्जाम/89/पार्ट-1 विनांक 2-1-91 के अनुसरण में तथा संख्या अनुसूची में निर्धारित शतों के रहते हुए में, बी. एन. सोम, उक्त स्कीम के सभी उपवन्धों के संखालन से उक्त स्थापना को और 3 वर्ष की अविध के लिए छूट प्रदान करता हूं, विनांक 1-4-92 से 31-3-95 नक लाग होगा जिसमें यह तिथि 31-3-95 भी शामिल हैं।

अनुसूची--!

- 1. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक (जिसे इसमें इसके पश्चात् नियोजक कहा गया है) सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त, को एंसी विवरणियां भेजेगा और एंसे लेका रहेगा तथा निरीक्षण के लिए एंसी सुविधाएं प्रवान करेगा जो कोन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त, समय-समय पर निविष्ट करें।
- 2. नियोजक, एसे निरीक्षण प्रभारी का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संवाय करोगा जो केन्द्रीय सरकार, जक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3-क) के खण्ड-क के अधीन समय-समय पर निर्दोश करें।
- 3 सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन सें, जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तृत किया जाना, भीमा प्रीमियम का संवाय, लेखाओं का अन्तरण, निरीक्षण प्रभार का संवाय आदि भी हैं, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक बुजारा किया जाएगा।
- 4. नियोजक, कोन्नीय सरकार व्यारा अनुमोबित सामृहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संघो-भन किया जाए, तब उस संघोधन की प्रति तथा कर्मचारियों को बहुसंख्या की भाषा में उसकी मृख्य बातों का अनवाद स्थापना के सूखना पहट पर प्रविधित करेगा।
- 5. यिव कोई एसा कर्मचारी जो कर्मचारी भविष्य निभि का या उकत अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निधि का पहले से ही सबस्य है, उसको स्थापना में नियोजित किया जाता है तो, नियोजिक ग्रामृहिक बीमा स्कीम के सबस्य के रूप में उसका नाम त्रन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संदत्त करेगा।
- 6. यदि उक्त स्कीम के अभीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ बकाए जाते हैं तो निवोजक सामूहिक बीमा स्क्रीम के अधीन कर्म-चारियों को उपलब्ध लाभों में समुचित रूप से वृद्धि किए जाने को व्यवस्था करोगा, जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामहिक विमा स्क्रीम के अधीन उपलब्ध लाभों से अधिक अनुकृत हो जो उक्त स्कीम के अधीन अनुक्य हैं।
- 7. सामूहिक बीमा स्काम में किसी बात के हाते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यू पर इस स्कीम के अधीन संबंध स्मीम छक राचि से कम ही जो कर्मचारी को उस दशा में संबंध होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक धारिस/नाम निवाधिक का प्रतिकर के रूप में दोनों राशियों के अंतर बराबर राशि का संवाय करगा।
- 8. सामृहिक बीमा स्कीम के उपबंधों में कोई भी संशोधन सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयक्त के वर्त अन्योदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां कियी संशोधन में कर्मचारियों के हिन पर प्रतिकृत प्रभाव पड़ने की संभावना हो वहां क्षेत्रीय भविष्य निधि आयक्त अपना अनुमोदन दोने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दिख्कोण स्पष्ट करने का क्षिक्तगढ़न अवसर देगा।

- 9. यदि किसी कारणयश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामृहिक बीमा स्क्रीम के, जिसे स्थापना पहले अपना चुकी है, अधीन नहीं रह जाता है या इस स्क्रीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले लाभ किसी रीति में कम हो जाते हैं तो यह रदद की जा सकती है।
- 10. यदि किसी कारणवश नियोजक उस नियत तारीख के भीतर जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत कर, प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है और पालिसी को ध्ययगत हो जोने दिया जाता है तो छूट रदद की जा सकती है।
- 11. नियोजक व्वारा प्रीमियम के संवाय में किये गये किसी व्यक्तिकम की दशा में उन मृत सदस्यों के नाम निवर्णेशतों या विधिक्त वारिसों को जो यदि यह छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अंतर्गत होते, बीमा लाभों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।
- 12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सबस्य की मृत्यू होने पर उसके हकवार नाम निद्वेषितों/विधिक वारिसों की बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर सुनिश्चित करेगा।

बी. एन. सीम, कॅन्द्रीय भविष्य निश्रि आयुक्त्

सं. 2/1959/डी. एल. जाई./एकजास/89/भाग-1/3298—जहां मैंसर्स सा वैलेस एंड कं. लि. आंधा विनरी एंड डिस्टिलरी, मल्काजगरी, हैंदराबाद, (ए. पी. 3103) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीण उपबन्ध अधिनियम,, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा 2 (क) के अन्तर्गत छूट विस्तार को लिए आवेदन किया है (जिसे इसमें इसके पश्चान उक्त अधिनियम कहा गगा है)।

चृकि मैं, बी. एन. सोम. केन्द्रीय भविष्य निधि आयक्त. इस शाम से संतृष्ट हुं कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अलग अंधवान या प्रीमियम की अवायगी किये बिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की सम्मितिक तीमा रकीम का लाभ उठा रही हैं, जो कि ऐसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निक्षेप सहबव्ध बीमा स्कीम, 1976 के अन्तर्गंत स्वीकार्प लाभों में अधिक अनक्षण हैं (जिसे इसमें इसके पश्चान स्कीम कहा गृहा हैं)।

अतः उक्त अधिनियमं की भारा 17 की उपधारा ? (क) व्यारा प्रवत्त व्यक्तियों का प्रयोग करते हुए अस मंत्रालय, भारत सरकार/केन्द्रीय भविष्य निधि आयक्ष्य की अधिसचना संख्या एस-35014/246/81 पी. एफ. 2 (एस. एस. 4) दिनांक 27-6-85 के अनुसरण में तथा संलग्न अनुस्ची में निधिरित धर्नों के रहते हुए में, बी. एन. मोमा, उक्त स्कीम के सभी उपबन्धों के संचालन से उक्त स्थापना को और 3 वर्ष की अविध के लिए छुट प्रदान करता हैं, दिनांक 18-12-88 में 17-12-91 और 18-12-91 से 17-12-94 तक लाग होगा जिसमों यह तिथि 17-12-94 भी शामिल है।

अनुसुची-।

- 1. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक (जिसे इसमें इसके परणात् नियोजक कहा गया है) सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य विधि क्षायुक्त, को एसी विवरिणयां भोजेगा और एसे लेखा रहेगा तथा भिरीक्षण के लिए ऐसी स्विधाएं प्रवान करेगा को केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त, समय-समय पर निविष्ट करें।
- 2. नियोजक, एके निरक्षिण प्रभारी का प्रत्येक मास की समाप्ति की 15 विन के भीतर संवाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 का उपधारा (3-क) के कण्ड-क की अधीन समय-समय पर निवास करें।
- 3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रक्षा जाना, विवरिणयों का प्रस्तृत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय लेखाओं का अन्तरण निरक्षिण प्रभार का संदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का बहन नियोजक इवारा किया जायेगा ।
- 4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्यारा अनुमोदित साम्हिक बीमा स्काम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संशोध धन किया आये, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की यह संख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुबाद स्थापना के सुचना पट्ट पर प्रदक्षित करेगा।
- 5. यदि कोई एसा कर्मधारी जो कर्मधारी भविष्य निधि का या जक्त अधिनियम के अधीन छुट प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निधि का पहले से ही सदस्य हैं, उसको स्थापना में नियो- फिल किया जाता है तां, नियोजक सम्मिहक बीमा स्कीम के सवस्य के रूप में उसका नाम शुरन्त वर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संदत्त करेगा।
- 6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ बढ़ाय जाते हैं तो नियोजक सामृहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्म-चारियों को उपलब्ध लाभों में समृचित रूप से वृद्धि किए जाने की व्यवस्था करेगा, जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामृहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध लाभों से अधिक अनृकृत हो जो उक्त स्कीम के अधीन उपलब्ध लाभों से अधिक अनृकृत हो जो उक्त स्कीम के अधीन अनुजय हैं।
- 7. सामृष्टिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यिव किसी कर्मचारी की मृत्यू पर इस स्कीम के अधीन संबंध राशि उस राशि से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में स्वेय होती जब यह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक धारिस/राम निवेंशियों को प्रतिकर के रूप में वोनें राशियों के अन्तर बराबर राशि का संबाय करेगा।
- 8. सामहिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में की हैं भी संगोधन सम्बन्धित को नीय भविष्य निधि अध्यक्त के पर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जण्णा और जहां किसी संगोधन हो कर्मचारियों के हित पर प्रतिकृत प्रभाव पड़ने की संभावना हो, वहां क्षेत्रीय प्रक्रिया निधि अध्यक्त अपना अनुमोदन होने में पर्व कर्मचारिया की अपना इष्टिकोण स्पष्ट करने का यक्तियल अध्यर रोग ।
- त जिल्ली कारणायल काणान के कर्मवारी भारतीय जिल्ला की मा निवास की एस गांकविक कीचा स्क्रीम की, जिल्लो स्थापना सम्बंदी आपना साम्योज जातीय सहीं जब काला की गांवस करीस की वाणीन कर्मीम के वाणीन कर्मीम की वाणीन कर्मीम क्रीसांकियों की गांवस कर्मी जाती क्री के लोग के लोग कर का का सामनी है।

- 10. यदि किसी कारणवश नियोजक उस नियत तारी के भीतर जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियस करं, प्रीमियम का संवाय करने में असफल रहता है और पालिसी को व्ययगत हो जाने विया जाता है तो छूट रवव की जा सकती है।
- 11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संवाय में किए गए किसी व्यक्तिक की दशा में उन मृत सदस्यों के नाम निविधितों या विभिन्न त्रारिसों को जो यदि यह छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते, बीमा लाभों के संदाय का उत्तरदायित्य नियोजक पर होगा।
- 12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यू होने पर उसके हकदार नाम निविधिकां/विधिक वारिसों को बीमाकृत राशि प्राप्त होनें के एक गाह के शीतर सुनिश्चित करोगा।

वीः एनः सौम कोन्द्रीय भविष्य निधि आधुक्त

सं. 2/1959/डी. एल. आई./एक्जाम/89/भाग-1/3304—जहां मैंसर्स प्रकाश आर्ट्स, पी. बी. नं. 406, मयुजम रोड, गवरनपेट, विजयायाड़ा-52002 (ए. पी. 13552) ने कर्मधारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधि-नियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा 2 (क) के बन्तर्गत छूट के लिए आवेदन किया है (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है)।

चूंकि मैं, बी. एन. सोम, केन्स्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस बात से संशुष्ट हूं कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अलग अंशदान या प्रीमियम की अदायगी किट बिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की साम्हिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहें हैं, जो कि एसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 के अन्तर्गत स्थीकार्ग लाभों से बिधक अनुकर्ल हैं (जिसे इसमें इसके पद्दात् स्कीम कहा गया है)।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2 (क) व्वारा प्रवत्त शिवतरों का प्रयोग करते हुए स्था इसके साथ संलग्न अनुसूची में उल्लिखित शतों के अनुसार में, बी. एन सोम, उक्त स्थापना की उल्लिखित पिछली तारीख से प्रभावी जिस तिथि से उक्त स्थापना की क्षेत्रीय भिष्ठिय निधि स्थापना की धारा 28 (7) के अन्तर्गत सील प्रवान की स्थापना की क्षेत्रीय भेवालन की छूट देशा हुं विनाक 1-1-91 से 31-12-93 तक)।

अनुसूची- र्रे

- 1. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक (जिसे इसमें इसके परकात् नियोजक कहा गया है) सम्बन्धित क्षेत्रीय भविषय निधि आयुक्त, को एसी विवरणियां भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरक्षिण के लिए ऐसी स्विधाएं प्रवान करेगा को फोन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त, समय-समय पर निर्विष्ट करें।
- 2. नियोजक, एसे निरीक्षण प्रभारी का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उपत अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3-क) के खण्ड-क के अधीन समय-रामय पर निद्रेश करें।
- 3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अंतर्गत सेसाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्ता किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अंतरण निरीक्षण प्रभार का संदाय आदि भी है. होने जाले सभी व्ययों का बहुत नियोजक दुशारा किया जाएगा।
- 4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार दनारा अनसोतिस सामहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और अब कभी जनमें मंशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहू-संख्या की भाषा में उसकी मृख्य दातों का अनुवाद स्थापना के सूचना पट्ट पर प्रदक्षित करगा।
- 5. यदि कोई एमा कर्मचारी भिजिष्य मिधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छाट प्राप्त किसी स्थापना की भिविष्य निधि का पहले से ही सदस्य है, उसकी स्थापना में नियोजित किया जाता है हो, नियोजित किया जाता है हो, नियोजित कर्मा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम आरतीय जीवन बीमा निगम को संवत्त करोगा।
- 6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ बढ़ाए जाते हैं तो नियोजक गामित्रक टीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाओं में समित्रत रूप से टीट्स किए जाने की व्यवस्था करेगा, जिससे कि कर्मचारियों के लिए साम्बित के बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध लाभों से अधिक अनुकाल हो जो उक्त स्कीम के अधीन अनुकाय हैं।
- 7. सामृहिक दीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी गृदि किसी कर्मचारी की मृत्यू पर इस स्कीम के अधीन संदेय राशि उस राशि से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संदेय होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता हो. नियोजक कर्मचारी के विविध गारिस/नाम निवाधितों को प्रतिकर के रूप में दोनों राशियों के अन्तर बराबर गृशि का संदाय करगा।
- 8. सामितिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी मंत्रोधन सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयक्त के पर्व अनमोदन के जिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संबोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकाल प्रभाव पड़ने की संभावना हो, बर्ज क्षेत्रीय भविष्य निधि आय्वत अपना अनुमोदन दोने से पर्व कर्मचारियों को अपना रीष्टिकोण स्पष्ट करने का यक्तियक्त अवसर दोगा।

9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामृहिक बीमा स्कीम कें, जिसे स्थापना पहले अपना चुकी है अधीन नहीं गह जाता है या इस स्कीम कें अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले लाभ किसी रीति से कम हो जाते हैं तो यह रब्द की जा सकती है।

- 10. यदि किसी कारणवश नियोजक उस नियत तारीख के भीतर जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियह करने, प्रीमिश्रम इस संदाय करने में असफल रहता है और पालिसी को व्यपगत हो जाने दिया जाता है तो छुट रवद की जा सकती है।
- 11. निर्याजक व्वारा प्रीफिरम को संदाय में किशो गये किसी ध्यतिक्रम की दशा में उन मृत स्वग्यों के नाम निर्वेशितों या विधिक बारिसों को जो यदि यह छूट न दी गई होती तो उक्त स्कोम के अन्तर्गत होते, बीमा लाभों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।
- 12. उबता स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के अधीन अने वाले किसी सदस्य की मत्य होने पर जमके हकतार नाम निद्धिकों/विधिक वारिकों। की शीमाकृत राहि। प्राप्त होने के एक माह के भीनर सुनिधिकन करेगा।

बी. एन. साँगः, कोन्द्रीय भनिष्ण निधि आयुक्तः

सं. 2/1959/डी. एल. आई./एक्जाम/89/भाग-1/3310—जहां मैसर्स अशोक मेन्य्फोक्चिरिंग क. (प्र.) लि (वक्सी), कताल रोड, विजय नगर, दिल्ली-110009 (डी. एल./69) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनिगम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा 2 (क) के अन्तर्गत छाट के लिए आवेदन किया है (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है)।

चंिक मैं, बी. एन. सोम, केन्द्रीय भिटिषा निधि आयुका इस बात से संतष्ट हूं कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अलग अंशदान या जीनियम की अवायगी किये बिना जीनन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की मामहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रही हैं, जो कि एमें कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 के अन्तर्गत स्वीकार्य लाभों से क्षीधक अनुकृत हैं (जिसे इसमें इसके परवात स्कीम कहा गया हैं)।

अत: उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2 (क) दुशारा प्रदत्त शिक्तियों का प्रयोग करने हुए तथा इसके साथ मंतरम अनुसूची में उल्लिखिश शर्तों के अनुसार में, ही. एन. सोम, उक्त स्थापना की उल्लिखित दिस्त्नी नारीख से प्रभावी जिस तिथि से उक्त स्थापना की क्षेत्रीय भविष्य निधि बायकत दिल्ली ने स्कीम की धारा 28 (7) के उन्तर्गत कील प्रवान की है, 3 वर्ष की अविध के लिए उक्त स्कीम से मंचानन की कर दिता हूँ। दिनांक 1-9-89 में 31-8-92 नक)।

- 1. उक्त स्थापना के संबंध में नियोजक (जिसे इसमें इसके परचात् नियोजक कहा गया है) संबंधित क्षेत्रीय भविषय निधि आयुक्त, की ऐसी विवर्णियां भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरक्षिण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविषय निधि आयुक्त, समय-समय पर निदिष्ट करें।
- 2. नियोजक, पुरेश निरोक्षण प्रभारी का प्रत्येक मास की समाित की 15 वित के भीतर संवाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त जीधनियय की धारा 17 की उपधारा (3-क) के खण्ड-क के अधीन समय-समय पर नियंश करें।
- 3. लाक्षिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अंतर्गत लेखाओं का रखा जाना, विभरिणणों का प्रस्तृत किया जाना, बीमा प्रीमियक का संवाय, लेखाओं का अंतरण, निरीक्षण प्रभार का संवाय जावि भी हैं, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।
- 4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की वहु-संख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद स्थापना के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।
- 5. यदि कोई एेसा कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्था-पना की भविष्य विधि का पहले से ही सदस्य हैं, उसको स्थापना में नियोजित किया जाता हैं तो, नियोजिक सामृहिक बीगा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक शीमियम भारतीय जीवन बीगा निगम को संवत करेगा।
- 6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ बढ़ाए जाते हैं तो नियोजक साम्हिक बीमा स्कीम के अधीन कर्म-चारियों की उपलब्ध लाभों में समृचित रूप से बृद्धि किए जाने की व्यवस्था करेगा, जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामृहिक वीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध लाभों से अधिक अनुकूल हो जो उक्त स्कीम के अधीन अनुशेय हैं।
- 7. सामृहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यू पर इस स्कीम के अधीन संदेय राश्चि उस राश्चि से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संदेय होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विश्विक वारिस/नाम निर्देशितों को प्रतिकर के रूप में दोनों राश्चिम के बंतर बराबर राश्चि का संदाय करेगा।
- 8. याभू हिक बीमा स्कीम के उपबंधों में कोई भी संशोधन संबंधित भंभीय भविष्य निधि आयुक्त को पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं कि । बाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मनारियों के हित पर विकल्प प्रभाव पड़ने की संभावना हो, वहां क्षेत्रीय भविष्य के अयुक्त अपना अनुमोदन दोने से पूर्व कर्मनारियों को अपना दिख्लोण स्पष्ट करने का यूक्तिकृत्य अवसर दोना ।

- 9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापना पहले अपना चुकी है अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले लाभ किसी रीति से कम हो जाते हैं तो यह रदद की जा सकती है।
- 10. यदि किसी कारणवश नियोजक उस नियत तारीख के भीतर जो भारतीय जीवन बीमा निगम निगत कर, प्रीमियम का संबाय करने में असफल रहता है और पालिसी को व्यपगत हो जाने दिया जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है।
- 11. नियोज क ख्यारा प्रीसियम के संदाय में किये गये किसी व्यक्तिस्य की बसा में उन यून सदस्यों के नाम निदांशितों या विधिक गरिसों को जो गदि यह छूट नदी गई होती जो उक्त स्कीम को अन्तर्गत होते, बीमा लाओं के संदाय का उत्तर-दायित्व नियोजक पर होना ।
- 12. उन्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हकदार नाम निवासितां/विधिक वारिसों की बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर सुनिश्चित करोगा।

बी. एन् सोम केन्द्रीय भगिष्य निधि आयुक्त

दिनांक 12 नवम्बर 1992

सं. 2/1959/डी: एत: आई./एक्जाम/89/भाग-1/3317—जहां जैनसे सहस्तारी कताई सिल्स लि:, जमरोहा, मृरादादाद-244221 (यू. पी:) यू: पी:/14436 ने कर्मचारी भिष्य निधि और प्रकीण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा 2 (क) के अन्तर्गत छूट के लिए आवेदन किया है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है)।

चूंकि मंं, बी. एन. सोम, केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस बात हे संतुष्ट हूं कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई इतग अंचदान या प्रीमियम की अदायगी किये बिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं, जो कि ऐसे कर्मचारियों के लिए कर्म-चारी निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 के अन्तर्गत स्वीकार्य लाभों से अधिक अनुकृत हैं। (जिसे इसमें इसके पश्चात् स्कीम कहा गया हैं)।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2 (क) द्वारा प्रवत्त दिस्ति का प्रयोग करते हुए तथा इसके साथ संलग्न अनुसूची में उल्लिखित कार्तों के अनुसार में, बी. एन. सोम, उक्त स्थापना की उल्लिखित पिछली तारीख से प्रभावी जिस तिथि से उक्त स्थापना को क्षेत्रीय भिवष्य निधि बायुक्त उत्तर प्रदेश ने स्कीम की धारा 28 (7) के अन्तर्गत ढीक प्रदान की है, तीन वर्ष तक की अविध के लिए उक्त स्कीम से संवालन के छूट देता हूं। दिनांक 1-12-89 से 30-11-92 तक।

अनुसूची-प्

- 1. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक (जिसे इसमें इसके परचात् नियोजक कहा गया है) सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त, की एंसी विवरिणयां भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए एंसी सुविधाएं प्रवान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त, समय-समय पर निरिष्ट करें।
- 2. नियोजक, एसे निरीक्षण प्रभारी का प्रस्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करोग जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3-क) के खण्ड-क के अधीन समय-समय पर निर्देश करें।
- 3. सामृहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में , जिसके अन्तर्गत जेसाओं का रसा जाना, विवरिणयों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय लेखाओं का अन्तरण निरीक्षण प्रभार का संदाय आदि भी हैं, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जायेगा ।
- 4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन किया जाये, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों को बहुं-संख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद स्थापना के मुचना पट्ट पर प्रविश्वित करेगा।
- 5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निधि का पहले से ही सदस्य हैं, उसको स्थापना में नियोजित किया जाता है तो, नियोजिक सामृहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तूरन्त वर्ज करेगा और उसकी बावत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संवत्त करेगा।
- 6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ वढ़ाए जाले हैं तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में समूचित रूप से वृद्धि किए जाने की व्यवस्था करेगा, जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध लाभों से अधिक अनुकूल हो जो उक्त स्कीम के अधीन अनुक्रय हैं।
- 7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यू पर इस स्कीम के अधीन संघेय राशि उस राशि से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संबेय होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नाम निदांशितों को प्रतिकर के रूप में दोनों राशियों के अन्तर बराबर राशि का संवाय करोगा।
- 8. सामृहिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त के पूर्व अनुमोदन के विना नहीं किया आएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकृत प्रभाव पड़ने की संभावना हो, वहां क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना इष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर वरेगा।

- 9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन वीमा निगम की उस सामृहिक वीमा स्कीम के, जिसे स्थापना पहले अपना पृक्षी है अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों की प्राप्त होंगे वाल लाभ किसी रीति से कम हो जाते हैं तो यह रदद की जा सकती है।
- 10. यदि किसी कारणवश नियोजक उस निग्ह तारीख के भीतर जो भारतीय जीवन बीझा निगम नियब करों, प्रीमियम का संवाय करने में असफल रहता ही और पालिसी को व्यपगत हो जाने विया जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है।
- 11. नियोजक व्यारा प्रीमियम के संवाय सं किए गए किसी व्यितिकम की द्या में उन मृत सदस्यों के नाम निविधिकां सा विधिक वारिसों को जो यदि यह छूट ग दी गई होती तो उक्स एकीम के अंतर्गत होते, बीमा लाभों के गंदाय का उत्तरवायित्व नियोजक पर हांगा।
- 12. उक्त स्थाण्या के सम्बन्ध में नियंज्ञ इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सबस्य की मृत्यु होने पर उसके हकदार नाम निवाधितों/विधिक वारिसों की वीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर स्निष्कित करोगा।

बी. एन. सोम, केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त

सं. 2/1959/डी. एव. आई. एक्जाम/89/भाग-1/3323—जहां मैसर्स भोरूका स्टील लि., महावित पुरा पोस्ट, बाइट फिल्ड रोड, बंगलीर-48 (के.एन./4489) ने कर्मचारी भिव्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा 2 (क) के असर्गत स्टूट के लिए आवेदन किया है (जिसे इसमें) इसके प्रनात् उक्त अधिनियम कहा ग्या है)।

चूंकि मैं, बी. एन. सोम, केन्द्रीय भविष्य निधि अयुक्त इस बात से संतुष्ट हूं कि उक्त स्थापना के कर्मधारी कोई असम अंशदान या प्रीमियम की अदायनी किने जिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामृहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं, जो कि एने कर्मचरियों के लिए कर्मचरी निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 के अन्तर्गत स्वीकार्य लाभों से अधिक अनुकृत हैं। (जिसे इसमें इसके पश्चात स्कीम कहा गया हैं)।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 17 को उपधारा 2 (क) व्वारा प्रवत्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए तथा श्रम मंत्रालय भारत सरकार/केन्द्रीय भविष्य निध् आयुक्त की अधिस्चना सं एस-35014/292/85-एस एस 4 दिनांक 20-12-85 के अनुसरण में तथा संलग्न अनुस्ची में निर्धारित वार्ती के रहते हुए मैं, बी. एन सोम उक्त स्कीम के सभी उपबन्धों के संचालन से उक्त स्थापना को और 3 वर्ष की अवधि के लिए छूट प्रवान करता हूं, दिनांक 22-9-88 से 21-9-91 तक लागू होगा जिसमें यह तिथि 21-9-91 भी बाधिल हैं।

- 1. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक (जिसे इसमें इसके प्रकात् नियोजक कहा गया है) सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निर्धि आयुक्त, को एसी विवरणियां भेजेंगा और एसे सेचा रखेंगा तथा निर्धाक्षण को लिए एसी सृविधाएं प्रवान करेंगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त, समय-समय पर निर्विष्ट करें।
- 2 नियोजक, एसे निरक्षिण प्रभारी का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, अक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3-क) के सण्ड-क के अधीन समय-समय पर निर्देश करें।
- 3. जामृहिक धीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अन्तर्गत लोखाओं का रखा जाना, विधरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीभियम का संदाय, लेखाओं का अन्तरण, निरीक्षण प्रभार का संदाय आदि भी हैं, होने बाले सभी व्ययों का बहुन नियोजक द्वारा किया जाएगा।
- 4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामृहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें मंझोधन किया जाये, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मबारियों की बहु संस्था की भाषा में उसकी मुख्य गतों का अनुवाद स्थापना के सुखना पट्ट पर प्रदक्षित करेगा।
- 5. यदि कोई एसा कर्मचारी भविष्य निर्मिका या उदत अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना को भविष्य निध्य का पहले से ही सदस्य हैं, उसकी स्थापना में नियोजित किया जाता है तो, नियोजिक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसकी नाम तूरत्त वर्ज करेगा और उसकी बायत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को गंदत्त करेगा।
- 6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ बकाए जाते हैं तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में समूचित रूप से बृद्धि किए जाने की अवस्था करेगा. जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध लाभों से अधिक अन्कृत हो जो उक्त स्कीम के अधीन जनक्रय हैं।
- 7. सामृहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यू पर इस स्कीम के अधीन संबेध राशि उस राशि से कम है जो कर्मचारी की उस दशा में संबेध होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारों के विधिक वारिस/नाम निवांशितों को प्रतिकर के रूप में बोना राशियों के अंतर के बराबर राशि का संवाय करगा।
- 8. सामृहिक बीमा स्कीम के उपवन्धों में कोई भी संशोधन सम्बन्धित क्षेत्रीय भिषण्य निधि आयुक्त के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया आयेगा और जहां किसी संशोधन से कर्मबारियाँ के हिस पर प्रतिकृत प्रभाव पड़ने की संभावना हो, वहां क्षेत्रीय

- भविष्य निधि आयुक्तः अपना अनुमोदन दोने से पूर्व कर्मकारियों को अपना इष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्ति । क्षत्र अवसर दोगा।
- 9. यदि किसी कारणवंश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामृहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापना पहले अपना चुकी है अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों की प्राप्त होने वाले लाभ किसी रीति से कम हो जाते हैं तो यह रव्द की जा सकती है।
- 10. यदि किसी कारणवश नियोजक उस नियत तारीख के भीतर जो भारतीय जीवन दीमा नियम नियत कर, प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है और पालिसी को व्यपगल हो जाने विया जाता है तो छूट रब्द की जा सकती है।
- 11. नियोजिक ष्वारा प्रीमियम के संदाय में किये गये किसी व्यतिकम की वहा मंं उन मृत सदस्यों के नाम निविधितों या विधिक वारिसों की जो पदि यह छूट न दी गई होती सो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते. बीमा लाभों के संदाय का उक्तर-दायित्व नियोजिक पर होगा।
- 12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में निशोजक इस स्कीम के अधीन आने शाले किसी सदस्य की मृत्यू होने पर उसके हकदार नाम निविधितों/विधिक वारिसों की दीमाकृत राशि प्राप्ट होने के एक माह के भीतर सुनिरिचल करेगा।

की. एन∴सोम केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्तः

सं. 2/1959/डी. एल. आई./एक्जाम/89/भाग-1/3329—जहां मैसर्स बोन पैक प्रा. लि., मारकोन बिल्डिंग, गारगोवा, गोवा (गोवा/10221) ने कर्मचारी भविषिप निधि और प्रकर्णि उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा 2 (क) के अन्तर्गत छूट के लिए आयंदन किया है (जिसे इसमें इसके परचान उक्त अधिनियम कहा गया है)।

चूंकि मैं, बी. एन. सोम, केन्द्रीय भविष्य निश्व आयुक्त इस बात से संतुष्ट हुं कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई इसमा करावान या प्रीमियम की अवायमी किये बिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्क्रीम का लाभ उठा रहे हैं, जो कि एसे कर्मचारियों के लिए कर्म-चारी निक्षेप सहबद्ध बीमा स्क्रीम, 1976 के अन्तर्गत स्वीकार्य साभों से अधिक अनुकूल हैं। (जिसे इसमें इसके पश्चात् स्क्रीम कहा गया है)।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2 (क) ब्वारा प्रदत्त शिक्तयों का प्रयोग करने हुए तथा इसके साथ संलग्न अनुसूची में उल्लिखित शतीं के अनसार में, बी. एन. सोम, उक्त स्थापना की उल्लिखित पिछली तारीस में प्रभावी जिस तिथि से उक्त स्थापना की क्षेत्रीय भविषय निधि अनुवत्त गांवा ने स्क्रीम की धारा 28 (7) के अन्तर्गत डील प्रदान की है, 3 वर्ष की अविध के लिए उक्त स्क्रीम से संवालन की छेट देता हूं। विनांक 1-3-90 से 28-2-93 तक)।

- 1. उक्त स्थापना के संबंध में नियाजक (जिसे इसमें इसके समाप्ति के 15 दिन के भीतर संवाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, आयुक्त, को ऐसी विवरणियं भजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरक्षिण के लिए ऐसी स्विध्या प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त, समय-समय पर निधिच्छ करें।
- 2. नियोजक, एसे निरीक्षण प्रभारी का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरदार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3-क) के खण्ड-क के अधीन समय-समय पर निर्देश करे।
- 3. सामूहिक बीमा स्कीय के प्रशासन में, जिसके अंतर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरिणयों का प्रस्तुत किया जाना, दीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अंतरण, निरीक्षण प्रभार का संदाय बादि भी है, होने वाले सभी व्ययों का गहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।
- 4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहु-संख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद स्थापना के सूचना पट्ट पर प्रदिश्त करेगा।
- 5. यदि कोई एसा कर्मचारी जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उदत लिशिनाम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्था-पना की भविष्य निधि का पहले से ही सदस्य है, उसको स्थापना में नियोजित किया जाता है तो, नियोजिक सामृद्धिक बीमा स्कीस के सवस्य के रूप में उसका नाम तूरना दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक शीमिनम भारतीय जीवन बीमा निगम की संवत्त करेगा।
- 6. यदि उक्त स्कीम को अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ बढ़ाए जाते हैं तो नियोजक सामृहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में समृचित रूप से वृद्धि किए जाने की व्यवस्था करेगा, जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामृहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध ताओं में अधिक अगुकृत हो जो उक्त स्कीम के अधीन अगुक्तेय हैं।
- 7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी मिद किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेय राशि उस राशि से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संदेय होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नाम निदंशितों के प्रतिकर के रूप में दोनों साशियों के अन्तर बराबर राशि का संदाय करेगा।
- 8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन सम्बन्धित क्षेत्रीय भिवष्य निधि आयुक्त के पूर्व अनुमोदन के विना नहीं किया आयेगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकृत प्रभाव पहने की संभावना हो, वहां क्षेत्रीय

- भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन दोने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दिष्टकोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर दोगा ।
- 9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापना पहले अपना चुकी हैं अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों की प्राप्त होने वाले लाभ किसी रीति से क्षम हो जाते हैं तो यह रदद की जा सकती है।
- 10. यदि किसी कारणवश नियोजक उस नियत तारीख के भीतर जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत कर, प्रीमियम का संवाय करने में असफल रहता है और पालिसी को व्यपगत हो जाने दिया जाता है तो छूट रदद की जा सकती है।
- 11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किए गए किसी व्यक्तिकम की दशा में उन मृत सदस्यों के नाम निद्धितों या विधिक वारिसों को जो यदि यह छूट न दी गई होती तो उकत स्कीश के अंतर्गत होते, बीमा लाशों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।
- 12. उक्त स्थापना के संबंध में नियोजक इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यू होने पर उसके हकदार नाम निद्िशतों/विधिक वारिसों की बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर सुनिश्चित करेगा ।

बी. एन. सोम केन्द्रीय मुविष्य निधि आयुक्त

सं 2/1959/डी. एल. बाई./एकजाम/89/भाग-1/3335—जहां मंसर्स सीमेन्स लिम्टिंड, 130 पन्डुरंग बुधवर मार्ग, बम्बई-400018 तथा इसकी बालाएं जो इसे कीड नं में स्थित हैं (कोड नं 4476-4520) ने कर्मचारी भिवष्य निधि और प्रकीण उपबन्ध अधिनियम, 1952(1952 का 19) की धारा17 की उपधारा2(क) के अन्तर्गत छूट के लिए आबेदन किया है (जिसे इसमें इसके परवात् उक्त अधिनियम कहा गया हैं)।

चूंकि मैं, बी. एन. सोम, केन्द्रीय भीवष्य निधि आयुक्त इस बात से संतुष्ट हूं कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई उतन अशदान या प्रीमियम की अदायनी किये जिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहें हैं, जो कि एसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 के अन्तर्गत स्तीकार्य लाभों से अधिक अनुकर्ल हैं (जिसे इसमें इसके पश्चान् स्कीम कहा गया है)।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2 (क) इवार प्रत्त कित्यों का प्रयोग करते हुए तथा श्रम मंत्रालय भारत सरकार/केन्द्रीय भविष्य निधि अस्युक्त की अधिसूचना सं. 2/1959/डी. एल. आई./एक्जम/892/माग-1 दिनांक 11-4-92 के अनुसरण में तथा संलग्न अनुसूची में निर्धारित कार्ती के रहते हुए में, बी. एन. सोम, उक्त स्कृति अधिक अधिक के सिए छूट प्रयान करता हुं, दिनांक 14-2-94 से 10-2-94 तक लागू होगा विसमें यह तिथि 10-2-94 भी कार्मिक है।

अन्सूची- I

- 1. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक (जिसे इसमें इसके परचात् नियोजक कहा गया है) सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त, को एसी विवरणियां भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरक्षिण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त, समय-समय पर निद्धिष्ट करें।
- 2. नियोजक, ऐसे निरक्षिण प्रभारी का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार. उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3-क) के खण्ड-क के अधीन समय-समय पर निद्रेश करें।
- 3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरिणयों का प्रस्तृत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अन्तरण, निरीक्षण प्रभार का संदाय अपित भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।
- A. नियोजक. केन्द्रीय सरकार दवारा अनमोदित सामहिक बीचा क्लीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी जनमें- संशो-धन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहु संख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद स्थापना कें समजा पटट पर प्रविधित करगा ।
- 5. यदि कोई एरेश कर्मचरिन भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छ ट प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निधि का पहले से ही सदस्य है, जसको स्थापना में नियोपित किया जाता है तो, नियोजक रामहिक हीमा स्कीम के मन्या के का में उसका नाम तुरन्त दर्ज करोगा और जसकी वाबत अवकटक प्रीमियम भारतीय जीवन हीमा निगम को संदत्त करोगा।
- 6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मनारियों को त्यालक लाभ बताय जाने हैं तो नियोजक सामित्रक बीमा स्कीय के उपलेख कर्म- नर्म- चारियों को उपलब्ध लाभों में समित्रत रूप से विद्या किए जाने की व्यवस्था करेगा, जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामित्रक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध लाभों से अधिक अनुकर्ल हो जो उक्त स्कीम के अधीन अनुजय है।
- 7. सामहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी
 पात किसी कर्मचारी की मृत्य पर इस स्कीम के अधीन संदोय
 राजि उस राशि से कम है जो कर्मचारी की उस त्या में मंदोय
 होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिसों/नाम निर्देशितों को प्रतिकर के रूप
 पो दोनों राशियों के अत्तर बरावर राजि का संदाय करेगा।
- व. सामहिक बीमा स्कीम के उपबंधों में कोई भी संकोधन संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयक्त के पर्व अनुमोदन के बिना वर्जी किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के दिन पर प्रतिकाल प्रभाव पड़ने की संभावना हो, वहां क्षेत्रीय भविष्य निधि आयक्त अपना अनुमोदन दोने से पूर्व कर्मचारियों को अपना इंदिक प्रवास हो स्वास्त्र क्षेत्रीय के अपना इंदिक स्वास्त्र विषय कर्मचारियों को अपना इंदिक स्वास्त्र संगा।

- 9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन वीमा निगम की उस सामृहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापना पहले अपना चकी है, अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन वर्मचारियों को प्राप्त होने वाले लाभ किसी रीति से कम ही जाते हैं तो यह रदद की जा सकती है ।
- 10. यदि किसी कारणवश नियोजक उस नियत तारील के भीतर जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत कर, प्रीम्थिम का संदाय करने में असफल रहता है और पालिसी को व्यपगत हो जाने दिया जाता है तो छूट रदद की जा सकती है।
- 11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किए गए किसी व्यितिकम की दशा में उन मृत सदस्यों के नाम निद्दिशितों या विधिक वारिसों को जो यदि यह छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अंतर्गत होते, बीमा लाभों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।
- 12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्य होने पर उसके हकदार नाम निद्िशतों/विधिक वारिसों की बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर सुनिश्चित करेगा।

बी. एन. सोम केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त

सं. 2/1959/डी. एल. आई./एकजम/89/भाग-1/3341—जहां मैसर्स बड़ौदा डिस्ट्रीक करेप. मिल्क प्रोड्यूसर्स गृनियन लि.,बड़ौदा डोरी,बड़ौदा-9(गुज/4856) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा 2 (क) के अन्तर्गत छूट विस्तार के लिए आवेदन किया है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है)।

चूंकि मैं, बी. एन. सोम, केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस बात से संतृष्ट हूं कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई उलग अंशदान या प्रीमियम की अदायगी किये बिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामृहिक बीमा स्क्रीम का लाभ उठा रहे हैं, जो कि एसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निक्षेप सहबद्ध बीमा स्क्रीम, 1976 के अन्तर्गत स्नीकार्य लाओं से अधिक अनुकृत है। (जिसे इसमें इसके पश्चात् स्क्रीम कहा गया है)।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2 (क) द्वारा प्रदत्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए तथा श्रम मंत्रालय भारत सरकार/केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त की अधिस्चना सं एस. 35014/187/85-एस. एस. 4 दिनांक 22-8-85 के अनुसरण में तथा संलग्न अनुस्ची में निधिरित शर्तों के रहते हुए मैं, बी. एन. सोम उक्त स्कीम के सभी उपबन्धों के संचालन से उक्त स्थापना को और 3 वर्ष की अविध के लिए छूट प्रदान करता हूं, दिनांक 22-8-88 से 21-8-91 और 22-8-91 से 21-8-94 तक लागू होगा जिसमें यह तिथि 21-8-94 भी शामिल है।

अनुसूची- ${f I}$

- 1. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक (जिसे इसमें इसके प्रचात नियोजक कहा गया है) सम्बन्धित क्षेत्रीय भविषय निधि आयुक्त, को एसी विविद्याणयां भेजेगा और एसे लेखा रखेगा तथा निरक्षिण के लिए एसी स्विधाएं प्रधान करेगा जो अन्द्रीय भविषय निधि आयुक्त, समय-समय पर निद्धिट करें।
- 2. नियोजक, एसे निरीक्षण प्रभारी का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, जक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3-क) के खण्ड-क के अधीन समय-समय पर निर्देश करें।
- े 3. सामृहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अन्सर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरिणयों का प्रस्तृत किया जाना, श्रीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अन्तरण, निरीक्षण प्रभार का संदाय आदि भी है, होने बाले सभी क्यों का बहन नियोजक द्वारा किया जायेगा।
- 4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहु संख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद स्थापना के यूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।
- 5. यदि कोई एसा कर्मचारी जो कर्मचारी भिन्न्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना की भिन्ध्य निधि का पहले से ही सदस्य है, उसको स्थापना में नियोजित किया जाता है तो, नियोजिक सामृहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करोगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संदत्त करोगा।
- 6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाम बढ़ाये जाते हैं तो नियोजक सामृहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्म-खारियों को उपलब्ध लाभों में समृचित रूप से वृद्धिः किये जाने की अध्यस्था करोगा, जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामृहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध लाभों से अधिक अनुकृत हो जो उक्त स्कीम के अधीन उन्ज्ञेय हैं।
- 7. सामृहिक बीमा स्कीम में किसी बात के त्रोते हुए भी यिव किसी कर्मचारी की मृत्यू पर इस स्कीम के अधीन संबेध राशि से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संबेध होती जब बह उस्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नाम निवंभिक्त तो प्रतिकर के रूप में वोनों साशियों के अन्तर बराबर राशि का संवाय करना।
- 8. साम्हिक बीमा स्कीम के उपबंधों में कई भी संशोधन संबंधित क्षेत्रीय भणिया निधि बागुक्त के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जायेगा और जहां किमी संशोधन में कर्मचारियों के हिए एक प्रतिकाल प्रभाव पड़ने की संभागता को, बनां क्षेत्रीय भिविका निधि बायक्त करना उनमोदन होने से एवं कर्मचारियों को करना इरिक्कोण स्टब्ट करने का युक्ति-गरूक पनसर बोगा।

- 9. यदि किसी कारणवंश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन वीमा निगम की उस सामृहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापना पहले अपना चुकी है अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों की प्राप्त होने वाले लाभ किसी रीति से कम हो जाते हैं तो यह रहद की जा सकती हैं।
- 10. यदि किसी कारणवश नियोजक उस नियत सारीस के भीतर जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत कर, प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है और पालिसी को व्यपगत हो जाने दिया जाता है तो छुट रहद की जा सकती है।
- 11. नियोजक द्वारा भीमियम के संवाय में किए गए किसी व्यक्तिकम की दशा में उन मृत सबस्यों के नाम निद्रितीं या विधिक वारिसों को जो यदि यह छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अंतर्गत होते, बीमा आभों के संवाय का उत्तरदायित्य नियोजक पर होता।
- 12. उक्त स्थापना के संबंध में नियोजक इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हकदार नाम निवरिं-िशतों/विधिक वारिसों की बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर सुनिश्चित करेगा।

वी. एन. सोम कोन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त

सं. 2/1959/डी. एल. आई./एक्जाम/89/भाग-1/3347—जहां मैंसर्स टीमा कन्सोरटीयम (इण्डिया) लि. 10, मिडलटन राव, रियर क्लाक, कलकत्ता-700071 (इसकी वा शासाओं सहित) (इक्ल्यू. बी./14238) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकृष्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा 2 (क) के बंतर्गत छूट के लिए आवेदन किया है (जिसे इसमें इसके पर्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है)।

चूंकि में, बी. एन. सोम, केन्द्रीय भविष्य निधि शाय्कत इस बात से संतष्ट हूं कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई उलग अंशदान था प्रीमियम की अदायगी किये बिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहें हैं, जो कि एसे कर्मचारियों के लिए कर्म-चारी निक्षेप सहबन्ध बीमा स्कीम, 1976 को अन्तर्गम सीकार्य जाभों से अधिक अनुकृत हैं। (जिसे इसमें इसके पश्चात् स्कीम कहा गया हैं)।

अत: उंक्त अधिनियम की धारा 17 की उपंधारा 2 कि वंगरा प्रदल ए जिन को को प्रदोग करते हुए नथा इसके साथ मंत्रम अनुसूची में उल्लिम्स इनों के अन्यार में, डी. एन. सोम, उक्त स्थापना की उल्लिम्स इनों के अन्यार में, डी. एन. सोम, उक्त स्थापना की उल्लिम्स एएछली तारीस से प्रभाषि जिस लिथि से जक्त स्थापना की कोंग्रीय भविषय निधि अन्यास पिष्ट में जंगल ने म्बीय की धारा 28 (7) के अंतर्गत की प्रवास की है, 3 वर्ष की अवधि के लिए जक्त स्कीम में मंगलन की छूट देता हूं। विनांक 1-8-89 से 31-7-92 तक)।

- 1. उक्स स्थापना के संबंध में नियोजक (जिसे इसमें इसके परचार नियोजक कहा गया है) सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त को एसी विवरणियां भेजेगा और एसे लेखा रखेंगा सथा निरक्षिण के लिए एसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त, समय-समय पर निविष्ट करें।
- 2. नियोजक, एसे निरीक्षण प्रभारों का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 विन के भीतर संवाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, जन्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3-क) के लण्ड-क के अधीन समय-समय पर निर्वास करें।
- 3. सामृष्टिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तृत किया जाना, बीमा प्रीमिग्रम का संदाय, लेखाओं का अन्तरण, निरीक्षण प्रभार का संदाय आदि भी है, होने बाले सभी व्ययों का बहुच नियोजक द्वारा किया जाएगा।
- 4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामृहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक-एक प्रति और अब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद स्थापना की सूचना पट्ट पर प्रदक्षित करोगा।
- 5. यदि कोइ एसा कर्मचारी जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निधि का पहले से ही सबस्य है, उसको स्थापना में नियोजित किया जाता है तो, नियोजिक सामृहिक बीमा स्कीम के सबस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त वर्ज करेगा और उसकी नावत आवश्यक ग्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संबस्त करेगा।
- 6. यदि उयस स्कीम के अभीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ बढ़ाए जाते हैं तो नियोजक सामृहिक दीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में समृचित रूप से वृद्धि किए जाने की व्यवस्था करोगा, जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामृहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध लाभों से अधिक अनुकरूल हों जो उक्त स्कीम के अधीन अनुकोय हैं।
- 7. सामुहिक बीका स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की महय पर इस स्कीम के अधीन संदेय राशि उस राशि से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संबेय होती, जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक बारिसों/नाम निद्येशितों को प्रितकर के रूप में दोनें राशियों के अंतर के बराबर राशि का संवाय करेगा।
- 8. साम्हिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त के पूर्व अनुमोदन के बिना नकी किया जाएंगा और जुड़ां कियी संशोधन में कर्मचारियों के दिल पर प्रतिकृत प्रभाव पड़ने की संभावना हो, वहां क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना बनमोदन वोने में पूर्व कर्मचारियों को बूधना दिख्लोण स्पष्ट करने का गृविस्युक्त अवसर वेगा ।

- 9 यदि किसी कारणबश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामृहिक बीमा स्क्रीम के, जिसे स्थापना पहले अपना चूकी है, अधीन नहीं रह जाता है या इस स्क्रीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले लाभ किसी रीति से कम हो जाते हैं तो यह रखद की जा सकती है।
- 10. यदि किसी कारणवंश नियोजक उस नियस सारींख के भीतर जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियंस कर, प्रीमियम का संवाय करने में असफल रहता है और पालिसी को व्यपगत हो जाने दिगा जाता है तो छूट रवंद की जा सकती है।
- 1.1. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संवाय में किए गए किसी व्यक्तिकम की वशा में उन मृत सदस्यों के नाम भिविष्यितों या विधिक वारिसों को जो यवि यह छूट न वी गई होती तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते, बीमा लाभों के संवाय का उत्तरवायित्व मियोजक पर होगा।
- 12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यू होने पर उसके हकदार नाम निविधियों/विधिक वारिसों की बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर सुनिध्चित करेगा।

बी. एन. सोम, **कोन्द्र**ीय भविष्य तिथि आसुक्त

सं 2/1959/डी एल आई./एक्जाम/89/भाग-1/3353--जहां मेंसर्स ओरियन्ट पेपर मिल्स अमलाई पेपर मिल्स, जिला काहडोल (मध्य प्रवेश) (कोड नं एम. पी./1224) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण जपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा 2 (क) के अन्तर्गत छूट के लिए आवेदन किया है (जिसे इसमें इसके परचात उक्त अधिनियम कहा गया है)।

कृषि मैं, बी. एन. सोम, केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस बात से संतृष्ट हूं कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अलग अंशदान या प्रीमियम की अदायगी किए बिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामृहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहें हैं, जो कि एसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 के अन्तर्गत स्वीकार्य लाभों से अधिक अनुकृष हैं। (जिसे इसमें इसके पश्चात् स्कीम कहा गया हैं)।

अत: उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2 (क) द्वारा प्रबत्त शिक्तियों का प्रशेष करते हुए तथा इसके साथ संलग्न अन्सनी में उल्लिखित शर्तों के अनसार में, बी. एन. सोम, उक्त स्थापना की उल्लिखित पिकली तारीक से प्रभावी जिस सिथि से उक्त स्थापना की क्षेत्रीय भविष्य निधि आग्कत प्रशापना की धारा 28 (7) के अन्तर्गत ढील प्रवान की है, तीन वर्ष तक की अवधि के लिए उक्त स्कीम से मंचालन की छूट बेता हैं। विनंकि 1-2-89 से 31-1-92 तक)।

अन्स्ची-1

- 1. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक (जिसे इसमें इसके परचाह नियोजक कहा गया है) सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त, को एसी विवरणियां भेजेंगा और एसे लेखा रखेंगा तथा निरक्षिण के लिए एसी सृषिधाएं प्रवान करेंगा जो केन्द्रीय अविष्य निधि आयुक्त, समय-समय पर निर्दिष्ट करें।
- 2. नियोजक, एसे निरीक्षण प्रभारी का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3-क) के खण्ड-फ के अधीन समय-समय पर निर्दोण करें।
- 3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अंतर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, श्रीमा प्रीमियम का संवाय, लेखाओं का अंतरण निरीक्षण प्रभार का गंवाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का बहुन नियोजक हुवारा किया जाएगा।
- 4. नियाजक, केन्द्रीय सरकार व्यारा अनुपावित सामृहिक श्रीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति सथा कर्मचारियों की बहु-संस्था की भाषा में उसकी मृख्य दातों का अनुवाद स्थापना के गुचना पट्ट पर प्रदक्षित करेगा।
- 5. यदि कोई एसा कर्मचारी भिषय निधि का या उक्स अभिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना की भिष्य निधि का पहले से ही सदस्य हैं, उसको स्थापना में नियोजित किया जाता है तो, नियोजिक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तूरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमिधम भारतीय जीवन बीमा निगम को संदत्त करेगा।
- 6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ बढ़ाए आते हैं तो नियोजक सामृहिक यीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में समृचित रूप से वृद्धि किए जाने की व्यवस्था करेगा, जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामृहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध लाभों से अधिक अनुकृत हो जो उक्त स्कीम के अधीन अनुक्रेय हैं।

- 7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यू पर इस स्कीम के अधीन संदेय राशि उस राशि से कम है जो कर्मचारी को उस दला में संदेय होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिश/नाम निवंधितों क्ये प्रतिकर के रूप में वोनों राशियों के अन्तर श्रराबर राशि का संदाय करेगा।
- 8. सामृहिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी मंशोधन सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से क्रमंचारियों के हित पर प्रतिकृत प्रभाव पड़ने की संभावना हो, वहां क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन दोने से पूर्व कर्मचारियों को अपना इष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्तिस्क अवसर दोगा।
- 9 यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापना पहले अपना चुकी हैं अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले लाभ किसी रीति से कम हो जाते हैं तो यह रद्द की जा सकती हैं।
- 10. यदि किसी कारणथश नियाजिक उस नियत तारींख के भीतर जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करें, प्रीमियम का संवाय करने में असफल रहता है और पालिसी को व्ययगत हो जाने विधा जाता है तो छूट रव्द की जा सकती है।
- 11. नियोजक ब्वारा प्रीमियम के संदाय में किये गये किसी व्यक्तिकम की देशा में उन मृत सदस्यों के नाम निविधितों या विधिक वारिशों को जो यदि यह छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते, वीमा लाभों के संदाय का उत्तरदायिस्थ नियोजक पर होगा।
- 1.2. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियांजिक इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यू होने पर उसे हकदार नाम निवाधितां/दिधिक वारियों की बीमाकृत राणि प्राप्त होने के एक साह के भीतर सनिद्वित करेगा।

नी. एन. सोम, कोन्द्रीय अधिषय निर्मि जास्करा

INDUSTRIAL FINANCE CORPORATION OF INDIA BONDS

In pursuance of Regulation 10 of the Industrial Finance Corporation (Issue & Management of Bonds) Regulations, 1949, the following list for the half year ended 30th June 1992 is hereby advertised of the Industrial Finance Corporation of India Bonds lost etc., in respect of which prima-facie grounds exist for believing that the securities have been lost and that the claims of the applicants are just. All persons other than the respective claimants named below, who have any claim upon those bonds should communicate immediately with the Manager, Reserve Bank of India, Public Debt Office, New Delhi.

2. The list is divided into two parts, Part 'A' the list of securities advertised for the first time and Part 'B' the list of securities previously advertised:—

PART 'A'

No. of the Security	Value in Rs.	name issued	From what date bearing interest	Name(s) of the claimant(s) for issue of duplicate(s)/ payment of discharge value	is	te of order sued
		NIL		1 A	, (
PART 'B'						
No. of the Security	Value in Rs.	In whose name issued		Name(s) of the claimant(s) for issue of duplicate(s)/ payment of discharge value	No. & date of order passed	Date of publication of the list in which the security was first published
6. 25% Industrial Finan	nce Corporation	of India Bond	s, 1988, (2nd)	Series)	plane relate a state page of the page of t	
DH-000241	10,000/-	Vinod Kumar & Co.	14-6-80	Trustees, Sumitomo Indian Staff P.F.	IFC/LN-2 dt. 3-2-87	8-8-87

BANK OF MAHARASHTRA (HEAD OFFICE)

Pune-411 005, the 9th October 1992

No. AX1/ST/OSR/9502.—In exercise of the powers conferred by Section 19 of the Banking Companies (Acquisition and Transfer of undertakings) Act, 1970 (5 of 1970), the Board of Directors of Bank of Maharashtra in consultation with the Reserve Bank of India and with previous sanction of the Central Government hereby makes the following regulations further to amend the Bank of Maharashtra (Officers') Service Regulations, 1979.

- 2. Short title and commencement: (1) These regulations may be called the Bank of Maharashtra (Officers') Service (Amendment) Regulations, 1992. (2) The amendment shall come into force on and from the date stated against respective Regulation.
- The details of the Amendments are given in Annaxurc-

A. M. SHALIGRAM. Dy. Genera! Manager (Offg.), Personnel.

ANNEXURE 1

Regulation 23(viii):

On and from 1-1-1990, if his working hours during a day are split with minimum interval of 2 hours, a split Duty Allowance of Rs. 35/- p.m.

Regulation 41(4):

On and from 1-6-1991 an officer in the Grades/Scales set out in Column 1 of the Table below shall be entitled to Halting, Allowance at the corresponding rates set out in Column 2 thereof. :—

(1)			(2)					
ν/				I	Daily Allowanc	3	(Rupces)	
Grades/Scales of officers	 ···	<u></u>		 	Major 'A'	Area-I	Other places	
Officers in scale IV and above	•	•	· · ·		120 .00	100 .00	85.00	
Officers in Scale I/II/III					100 .00	85 .00	75 .00	

Provided that

- (a) Where the total period of absence is less than 8 hours, but more than 4 hours. Halting Allowance at half the above rates shall be payable.
- (b) Officers in various Grades/Scales may be reimbursed the actual hotel expenses, restricting to single accommodation charges in ITDC Hotels, subject to the limits as given below:—

Grades/Scales of Officers					Eligibility		Boarding Charges (Rupees)		
					to stay	Major 'A' class cities	Area-I	Other places	
(1)					(2)	(3)	(4)	(5)	
Scale VI & VII		· — · · ·	<u></u> .		4* Hotel	120 .00	100 .00	85 .00	
Scale IV & V			•		3* Hotel	120 .00	100.00	85 .00	
Scale II & III	•	•	•	•	2* Hotel (Non-AC)	100 .00	85 .00	75 .00	
Scale I	•	•			1* Hotel (Non-AC)	100 .00	85 .00	75 .00	

- (c) Where lodging is provided at bank's cost/arranged through the bank free of cost, 3/4th of the Halting Allowance will be admissible.
- (d) Where boarding is provided at bank's cost/arranged through the bank free of cost, 1/2 of the Halting Allowance will be admissible.
- (e) Where lodging and boarding are provided at bank's cost/arranged through the bank free of cost, 1/4th of the Halting Allowance will be admissible. Where however an officer claims boarding expenses on a declaration basis without production of bills for actual expenses incurred, then he shall not be eligible for 1/4th of the Halting Allowance.
- (f) On and from 1-1-1987 a Supplementary Diem Allowance of Rs. 10/- per day of halt outside headquarters on inspection duty shall be paid to all inspecting officers.

Explanation:

For the purpose of computing Halting Allowance "Per diem" shall mean each period of 24 hours or any subsequent part thereof, reckoned from the reporting time for departure in the case of air travel and the scheduled time of departure in other cases, to the actual time of arrival. Where the total period of absence is less than 24 hours, 'per' diem' shall mean a period of not less than 8 hours.

Regulation 44(ii)

On and from 1-6-1991 once in every 4 years when an officer avails of Leave Travel Concession he may be permitted to surrender and encash his Privilege Leave not exceeding one month at a time. Alternatively, he may whilst travelling in one block of two years to his home town and in other block to any place in India be permitted encashment of Privilege leave with a maximum of 15 days in each block or 30 days in one block. For the purpose of leave encashment all the emoluments payable for the month during which the availment of the leave travel concession commences shall be admissible.

Provided that an officer at his option shall be permitted to eneash one day's additional privilege leave for donation to the Prime Minister's Relief Fund subject to his giving a letter to the Bank to that effect and authorising the Bank to remit the amount to the Fund.

SYNDICATE BANK INDUSTRIAL RELATIONS DIVISION PERSONNEL DEPARTMENT

HEAD OFFICE --

Manipal-576 119, the 23rd October 1992

No. 872/0090/PD:IRD(O).—In exercise of the powers conferred by Section 19 of the Banking Companies (Acquisition and Transfer of Undertakings) Act, 1970 (5 of 1970), the Board of Directors of SYNDICATE BANK in consultation with the Reserve Bank of India and with the previous sanction of the Central Government hereby makes the following regulations further to amend the SYNDICATE BANK Officers Employees' (Conduct) Regulations, 1976.

- 2. Short title and commencement: (1) These Regulations may be called the Syndicate Bank Officer Employees' (Conduct) (Amendment) Regulation, 1992.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the official Gazette.
- 3. In the Syndicate Bank Officer Employees (Conduct) Regulations, 1976.
 - (a) In the provise to sub-regulation (2) of Regulation 5, after the words "shall be reported to the competent authority" the words "within three months from the date of the receipt of offer of employment" shall be inserted;
 - (b) in Regulation 14, in sub-regulation (1), in the Explanation, Note (2) shall be omitted;
 - (c) for the sub-regulation (2) of regulation 20, the following shall be substituted, namely:—
 - "(2) Every officer employee shall every year submit a return of his movable, immovable and valuable property including liquid assets like shares, debentures as on 31st March of that year to the bank before the 30th day of June of that year".

G. A. REGO, General Manager(P).

SI. No.	No. and date of notification	ations of earliet amendments							,	Date of publication in Gazette of India		
1 No	. Nil dated 2-11-1988						•	– <i>,</i> -		 -		24-12-1988
1. 140												

THE INSTITUTE OF CHARTERED ACCOUNTANTS OF INDIA

New Delhi-110002, the 23rd October 1992 CORRIGENDUM

(Chartered Accountants)

No. 1-CA (7)/19/92.—In the notification No. 1-CA(7)/19/92 dated 21st February, 1992 notifying certain umendments to the Chartered Accountants Regulation, 1988 made ments to the Chartered Accountants Regulation, 1988 made by the Council of the Institute of Chartered Accountants of India with the previous approval of the Central Government in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 30 of the Chartered Accountants Act, 1949, which was published in Part III Section 4 of the Gazette of India No. 10 dated 7th March, 1992 at pages No. 522 to 533, the following corrections have been made, and may always be deemed to have been made from its first publication, namely:-

Page 522:

- 1. In 1st line of para 4 of the Preamble, after the words "powers conferred by" the words, figure and brackets "sub-section (1) of " shall be added.
- 2. In 1st line of St. No.I, the words "For, regulations" shall be read as "for regulations".

Page 523:

- 3. In 3rd line of clause (i) (a) of regulation 26, the word "Regulation" shall be read as "regulation".
- In 3rd line of clause (i) (b) of regulation 26, the word "and" appearing at the end shall be omitted.

Fage 524:

- 5. In 1st and 2nd lines of sub-regulation (2) of regulation 36, the words "shall be declared ordinarily shall be substituted with the words "shall ordinarily he declared".
- 6. In 2nd and 3rd lines of sub-regulation (1) of regulation 37 the words "he passes in both the groups and he may" shall be read as "he passes in both the groups. He may".

Page 526:

- In 1st line of S. No. V the words, figures brackets "in regulation 43(1)" shall be read as regulation 43,-(i)".
- 8. In 6th line of Explanation under S. No. V, the word "Regulations appearing after the words "approved under" shall be read as "regulations".
- 9. In 2nd line of S. No. VI the words "clauses shall be substituted; namely;" shall be read as "clauses shall be substituted, numely;-"
- 10. In 1st and 2nd lines of S. No. VIII after the words "the following" the word "sub-regulation" shall be added.
- 11. Clauses (iii) of S. No. 1X shall be substituted with the following, namely:

 "(ii) in sub-regulation (4)
 - (a) for the words, brackets and figures "sub-regulation (1) or sub-regulation (2) or sub-regulation (3)" the following shall be substituted, namely, "sub-regulation (1) or sub-regulation (2)"; and

- (b) the words, brackets and figures "in a case covered by sub-regulation (1) or sub-regulation (2)" shall be omitted:
- 12. In 1st line of S. No. X the words "following shall" shall be read as "following regulation shall".

Page 527:

- 13. In 1st line of S. No. XIV the word "for" appearing after the word and figure "In regulation 69", shall be
- 14. In 1st line of S. No. XV the words, figures and brackets "in regulation 72, sub-regulation (2)" shall be read as "in regulation 72, for sub-regulation (2)".

Page 528:

15. In 1st line of clause (ii) of S. No. XVII (16th line from bottom) the word "should" shall be read as "shall"

A. K. MAJUMDAR.

Scrietary.

New Delhi-110002, the 4th November 1992

No. 13-CA(EXAM)/N/92.—Further to the Institute's Notification No. 13-CA(EXAM)/N/92 dated 28th October, 1992, it is notified for general information that the examinations in the following property of t tions in the following papers of the Intermediate and Final Examinations scheduled to be held on Friday, the 6th November, 1992 at Calcutta Centre only stand postponed.

INTERMEDIATE EXAMINATION

Group JI-Paper 5

FINAL EXAMINATION

Group II-Paper 5

While the timings/session of the examinations will remain unchanged, the date of the examinations will be notified separately.

> LAGDAMBA PRASAD, Sr. Deputy Secretary (EXAM.).

The 9th November 1992

No. 13-CA (EXAM)/N/92.—In continuation of the Institute's Notification No. 13-CA (EXAM)/N/92 dated 4th November,1992 it is notified for general information that the postponed examinations in the following papers of the Chartered Accountants Intermediate and Final Examinations at Calcutta Centre only shall now be held on Saturday, the 21st November, 1992.

INTERMEDIATE EXAMINATION

Group-II-Paper-5

FINAL EXAMINATION

Group-II-Paper-5

JAGDAMBA PRASAD, Sr. Dy. Secretary (EXAM.).

EMPLOYEES' STATE INSURANCE CORPORATION

New Delhi the 28th October 1992

No. N-15/13/5/3/91-P&D.—In pursuance of powers conferred by Section 46(2) of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), read with Regulation 95 of the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950, the Director General has fixed the 16-10-92 as the date from which the medical benefits as laid down in the said Regula-tion 95-A and the Gujarat Employees' State Insurance (Me-dical Benefit) Rules, 1963 shall be extended to the families of insured persons in the following area in the State of Gujarat namely :-

"Areas comprising of the extended Municipal limits of Surat in District Surat in addition the areas in which the said provisions of the Act, have already been brought into force.

S. GHOSH.

Joint Insurance Commissioner.

New Delhi, the 2nd November 1992

No. U-16/53/90-Med. II (WB).—In pursuance of the resolution passed by ESI Corporation, at its meeting held on 25th April, 1951, conferring upon the Director General the powers of the Corporation under regulation 105 of the ESI (General) Regulations 1950, and such powers having been further delegated to me vide Director General's order No. 1024(G) dated 23-5-1983, I hereby authorise Dr. (Mrs.) M. Sarkar of Calcutta Centre to function as medical authority w. e. f. 1-12-92 to 30-11-93 or till a Full-time Medical Referee joins, whichever is earlier, for Calcutta Centre at a monthly remuneration as per existing norms, on the basis of monthly remuneration as per existing norms, on the basis of number of insured persons and the area to be allocated by

the Dy. Medical Commissioner (East Zone), Calcutta, for the purpose of medical examination of the Insured persons and grant of further certificates to them when the correctness of the original certificates is in doubt.

DR. (SMT.) A. A. AMBEKAR.

Medical Commissioner.

LIFE INSURANCE CORPORATION OF INDIA

Bombay, the 20th November 1992

CORRIGENDA

The following correction in our Notification Life Insurance Corporation (first amendment) Regulation, 1992 File No. LRP/460 published on page No. 3410 in the Gazette of India (Part III Section 4) dated 3rd October 1992.

Actually Published

To be Published

Union Territories of:

- (i) Dadra and Nagar Haveli
- (i) Dadra and Nagar Haveli

(ii) Daman & Dlu

HEM CHAND Section Officer (Ins. II) Ministry of Finance (DEA)

EMPLOYEES PROVIDENT FUND ORGANISATION CENTRAL OFFICE

New Delhi 110 001, the 7th October 1992

No. CPFC 1(4)/KN(412)/92/3240—Whereas it appears to the Central Provident Fund Commissioner that the employers and the majority of employees in relation to the following establishments have agreed that the provisions of Employees' Provident Funds and Miscellaneous Previsions Act. 1952 (19 of 1952). should be made applicable to their respective establishments namely:-

S. Code No. No.	Name and Address of the Estis.	Date of coverage
1. KN/14701	M/s. The Karnataka Minorities Development Corpn. Ltd.	· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·
(Vishvesvarayya Centre 12th Floor, Maintower	
	Dr. B.R. Ambedkar-Veedi Bangalore-560001.	30-11-91
2. KN/14278	M/s. Sudarshan Cargo International,	
'	MSIL House, Air Cargo Complex Opp. Hal Air Port	
	Bangalore-17.	31-12-90
3. KN/14667	M/s, Swati Security Services 94/1 Pipe Line Road	
•	2nd Main Binny/R.P.C. Lay-out Vijayanagar II stage,	
-	Bangalore-40.	1-4-91
4. KN/14610	M/s. Arcus Technology Pvt. Ltd. 201, Embassy Chambers, 2nd Floor,	
•	5 Vittal Mallaya Road, Bangalore-560001.	1-12-91
5. KN/12703	M/s. Swathi Engineers Duggajarakatte, Kairangela Post,	
,	Bentwal Taluk, D.K574153.	1-9-91
6. KN/14340	M/s. Anu Danitha Shikshana Samsthe, Noukara Sahakara Sangha Ltd.,	
·	Shimoga.	28-2-91

Now therefore in exercise of the powers conferred by Sub-section (4) of Section 1 of the said Act I B.N. Som Central Provident Fund Commissioner hereby apply the provisions of the said Act to the above mentioned establishments from and with effect from the date mentioned against the name of each of the said establishments.

B.N. SOM Central Provident Fund Commissioner

No. CPFC2(4)DL(4)46)/92/3243—Whereas it appears to the Central Provident Fund Commissioner that the employers & the m jority of the employees' in relation to the following establishments have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds & Miscellaneous Provisions Act 1952 (19 of 1952), should be made applicable to their respective establishments namely:—

S. Code No. No.	Name & address of the Estts.	Date of coverage
1. DL/14280	M/s. Kunal Travels Pvt. Ltd. 6/103 Kaushlya Park Hauz Khas New Delhi-110016.	1-1-92
2. DL/14265	M/s. Crystal Enterprises 1376 C-1 Vasant Kunj New Delhi-37.	1-1-92
3. DL/11310	M/s. Auto Yard 13-K.M. Mathura Road New Delhi-110044.	1-6-90
4. DL/13229	M/s. Hemkunt Security Services 319 MS Flats Tower-1 East of Kailash New Delhi.	1-5-91
5. DL/13503	M/s. International Development Research Centre 11 Jor Bagh New Delhi-110 003.	1-8-91
6. DL/13783	M/s. Metal Fabs 11-A Najafgarh Road New Delhi-110015,	1-9-91
7, DL/13391	M/s. Indo-Links Personnel & Security Services C-103 Daya Nand Colony Lajpat Nagar New Delhi-110024 including its branch /departments.	1-7-91
8. DL/13527	M/s. ABC Leathers B-65 Mayapuri Industrial Area Phase-II New Delhi-110064.	1-8-91
9. DL/14338	M/s. Western India Securities Ltd. A-1/43 Safdarjung Enclave New Delhi-110029 including its branches/units.	17-12-91
10. DL/14339	M/s. Western India Sugar & Chemical Industries Ltd. B-55 Paschimi Marg Vasant Vihar New Delhi-57 including its branch.	22-4-91
11. DL/14283	M/s. Golden Engerprises Hall No. 2C A.R.A. Centre 2E Jhandewalan Extension New Delhi-11005.	1-8-91
12, DL/13683	M/s. Chandra Paint Industries 3 East Park Road Karol Ragh New Delhi-11005.	1- 10-91
13, DL/14258	M/s. K. K. Rajan & Associates 104, J-Extension Laxmi Nagar Delhi-110092.	1-1-92
14. DL/13780	M/s. Onkar Security Enterprises E-45 Kushlya Bhawan Mohan Baba Nagara Taj Pur Extn. Badar Pur New Delhi-110044 including its branches	14-10-91
15. DL/14293	M/s. Yoginder Kumar Jain, 1400/1, Wazir Nagar, Post Office Street No. 7. Kotla Mubarakpur, New Delhi-110003.	1.1.00
16. DL/14317	M/s. National Project Implementation Unit, C-14, Friends Colony, Mathura Road, New Delhi-110065.	1-3-92 1-4-91
17. DL/14332	M/s. Rabphel & Co., 28, Fire Brigade Lane, New Delhi-110001.	1-2-92
18. DL/9727	M/s. Central Hindi Directorate Departmental Canteen, West Block No. 7, R.K. Puram, New Delhi-110066.	1-10-88

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, I, B.N. Som, Central Provident Fund Commissioner hereby apply the provisions of the said Act to the above mentioned establishments from and with effect from the date mentioned against the name of each of the said establishments.

No. CPFC 1(4)MH(448)/92/3246—Whereas it appears to the Central Provident Fund Commissioner that the employers and the majority of employees in relation to the following establishments have agreed that the provisions of Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to their respective establishments namely:—

S. Code No. No.	Name and Address of the Estts.	Date of coverage
1. MH/29274	M/s. Kolhapur Chambers of Commerce & Industries, Kolhapur Engineering Association Building, Shivaji Udyamnagar, Kolhapur.	1-3-92
2. MH/29276	M/s. Ratnagiri Zilla Madhyamik Adhyapak Sahakari Patpedhi [Ltd. Ratnagiri.	1-3-92
3. Goa/10358	M/s. 'Mahamaya' P. O. Box No. 13, Fontainhas Mala, Panji-Goa.	1-3-92
4. Goa/10359	M/s. Unique Floxible Converters, 207, Dhavjim Old Goa, Goa-403402.	1-11-90
5. Gon/10350	M/s. M.R. Equipments, D2-34, Sancoale Industrial Area, Zuarinagar, Goa-403726,	1-9-91

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-section (4) of Section 1 of the said Act, I, B.N. Som, Central Provident Fund Commissioner hereby apply the provisions of the said Act to the above mentioned establishments from and with effect from the date mentioned against the name of each of the said establishments.

B.N. SOM, Central Provident Fund Commissioner

No. CPFC 2(4)MP(450)/92/3248—Whereas It apears to the Central Provident Fund Commissioner that the employers & the majority of the employees—in relation to the following establishments have agreed that the pravisions of the Employees' Provident Funds & Miscellaneous Provisions Act 1952 (19 of 1952) should be made applicable to their respective establishments namely:—

S. Code No. No.	Name & address of the Estts.	Date of coverage
1. MP/7442	M/s. Sharmik Nagrik Sahakari Bank Ltd. 123, Davi Ahilya Marg Indore.	1-4-92
2. MP/7388	M/s. Sangam Security Services and Employment Agency 118 Ashiana APR Colony, Bilhari, Jabalpur-20.	1-4-91
3. MP/7387	M/s. Carryfast Agencies, 29, Lasudia Mori, A.B. Road, Dewas Naka Indore including branches/units.	1-11-91
4. MP/7314	M/s. Sonotronics (India), 249, B, Sangam Nagar, Indore-6.	1-1-92

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, 1, B.N. Som, Central Provident Fund Commissioner hereby apply the provisions of the said Act to the above mentioned establishments from and with effect from the date mentioned against the name of each of the said establishments.

No. CPFC 2(4) KN(456)/92/3251—Whereas it appears to the Central Providennt Fund Commissioner that the employers & the majority of the employees in relation to the following establishments have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds & Miscellaneous provisions Act, 1952 (19 of 1952) should be made applicable to their respective establishments namely:—

S. Code No. No.	Name & address of the estts.	Date of coverage
1. KN/14715	M/s. Arctic (India) Manufacturing (P) Ltd.	
	6/17-A 8th Cross, 8 Feet Road, 6th Block, Rajaji Nagar,	
	Bangalore.	1-1-91
2. KN/14510	M/s. Perfect Apparels Pvt. Ltd., No. 6, Belekahalli,	
	Bannerghatta Road, Bangalore-76.	1-7-91
3. KN/14705	M/s. The Bangalore Municipal Corporation Scheduled Caste Workers'	
	Co-op. Society Ltd., Poornaiah Chatram Road, Bangalore-53.	1-8-91
4. KN/14509	M/s. B.B.S. Alloys, 141B, '9th' A Road,	
	Bommasandra Industrial Area, Hebbagode, Bangalore-158,	
	including branches/units.	1-8 -90
5. KN/14716	M/s. Viju Marketing (P) Ltd., 740, 80 Ft. Road, 6th Block,	
	Rajaji Nagar, Bangalore-560010.	1-1-92
6. KN/14768	M/s. Sauhardh Engineering (P) Ltd., 893-A, Jebavilla,	
	Behind Ayyapan Temple, Desarahalli,	
	Bangalore.	1-12-91
7. KN/14747	M/s. Venflow Science Products, 22, OMR Industrial Estate,	
	Dooravaninagar, Bangalore-16.	1-11-91
8. KN/14368	M/s. Mayura Complex Tiffin Room, Department of Telecommunications,	2
	Ist Cross, 2nd Floor, Mayura Complex,	
	Gandhi Nagar, Bangalore-9.	1-5-91
9. KN/14225	M/s. Basaveshwara Urban Co-op. Bank Ltd.,	~
	Ranihennur-581115.	1-1-91

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, I, B.N. Som, Central Provident Fund Commissioner hereby apply the provisions of the said Act to the above mentioned establishments from and with effect from the date mentioned against the name of each of the said establishments.

B.N. SOM, Central Provident Fund Commissioner

The 7th November, 1992

No. CPFC. 1(4)/PB(459)/92/3254—Whereas it appears to the Central Provident Fund Commissioner that the employers & the majority of the employees in relation to the following establishmets have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds & Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to their respective establishments namely:—

S, Code No. No.	Name & address of the Estts.	Date of coverage
1, PN/13290	M/s. Jai Parabolic Springs Ltd., A-30(A) Phase VII, Industrial Area, S.A.S. Nagar, Mohali including branches.	1-10-91
2. PN/10660	M/s. Parwanoo Packers (P) Ltd., Parwanoo Distt. Solan, H. P. including branches.	1-11-84

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, I, B.N. Som, Central Provident Fund Commissioner hereby apply the provisions of the said Act to the above mentioned establishments from and with effect from the date mentioned against the name of each of the said establishmets.

B.N. SOM, Central Provident Fund Commissioner

No. CPFC 2(4)MP(464)/92/3257—Whereas it appears to the Central Provident Fund Commissioner that the employers & the majority of the employees' in relation to the following establishments have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds & Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to their respective establishments namely:-

S. Code No. No.	Name & address of the Estts.	Date of covora g e
1, MP/7431	M/s. Harshita Handling, Noar Forest Naka Raisen Road,	
	Anand Nagar, Bhopal.	1-6-91
2. MP/7425	M/s. The Bharat Bhawan, Shyamla Hills, Bhopal.	1-3-92
3. MP/7325	M/s. National Ex-Servicemen Security Organisation,	
	F-6/3, Char Imli, Bhopal.	1-1-92
4. MP/7316	M/s. Pest Control Services, Shahin Manzil, Near Kelawali Masjid,	
	Motia Park, Bhopal.	1-1-92
5, MP/5696	M/s. Maheshwari Nutrients Ltd., Vill. Bakaner, Tehsil Maheswar,	
·	Distt. Khargone, (M. P.) including its branches.	31-10-87
6. MP/7393	M/s. Nagrik Sahkari Bank Ltd., Pandhurna, Jawahar Ward,	1-7-91
	Pandhurna, Distt. Chhindwara, M. P. (including branch).	
7. MP/7451	M/s. Electro-civil Corporation, 60-A, Indrapuri, Bhopal.	1-3-92
8. MP/7452	M/s. G.K. Constructions, L.I.G. 362, Soctor A.	1-3-92
	Sonagiri, Piplani, Bhopal.	
9. MP/7456	M/s. Nepanagar Nagrik, Sahakari Sanstha Maryadit,	
	Cinoma Road, Nepanagar, (M. P.)	1-11-90

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section I of the said Act, I, B.N. Som, Contral Provident Fund Commissioner hereby apply the provisions of the said Act to the above mentioned establishments from and with effect from the date mentioned against the name of each of the said establishmets.

B.N. SOM, Central Provident Fund Commissioner

MINISTRY OF LABOUR

OFFICE OF THE CENTRAL PROVIDENT FUND COMMISSIONER

New Delhi-110 001, the 7th October 1992

No. 2/1959/EDLI|Exemp/89|Pt.|3262. — WHEREAS M/s. Super Cables Machines (India) Pvt. Ltd. Post Office Magliawas, Ajmer, Code No. RJ/4678 have applied for exemption under sub-section 2(A) of Section 17 of the Employees' Provident Fund & Miscellanceous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act):

AND WHEREAS, I, B. N. Som, Central Provident Fund Commissioner is satisfied that the employees of the said establishment is, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (harsisofter referred to as the said Scheme): 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme):

Now, THEREFORE, in exercise of the power conferred by sub-section (2A) of Section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in Schedule. I annexed hereto, I. B. N. SOM, hereby exempt the above said establishment with retrospective effect from which date relaxation order under para 28(7) of the said scheme has been granted by the Regional Provident Fund Commissioner Rajasthan from the operation of the said Scheme for and upto a period of 3 Years from 1-5-88 to 30-4-91-

SCHEDULE-II

- 1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) sub-Section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, alongwith translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act. if employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the employee as compensation.
- 8. No amendment of the Provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees his approval, give a reasonable opportunity to the employee to explain their point of view.
- 9. Where for any reason, the employee of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.

B. N. SOM Central Provident Fund Commissioner

The 11th November 1992

No. 2/1959/DLI/Exemp/89/Pt.I/3268.—WHEREAS M/s Gland Pharma (P) Ltd., Office and Factory 6-3-862, Amecrpet, Hyderabad-500016 (AP/13371) have applied for exemption under sub-Section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) hereinafter referred to as the said Act:

AND WHEREAS, I, B. N. Som, Central Provident Fund Commissioner is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees that the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme):

NOW, THEREFORE in exercise of the power conferred by sub-section (2A) of Section 17 of the said Act and in continuation of the Government of India in the Ministry of Labour notification No. 2/1959/EDLI/Exemp/89/Pt.I dated 29-1-92 and subject to the condition specified in Schedule-II annexed hereto, I, B. N. Som, hereby exempt the above said establishment from the operation of all the provivisions of the said Scheme for a further period with effect from 1-3-93 to 29-2-96 upto and inclusive of the 29-2-96.

SCHEDULE-II

- 1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-Section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, alongwith translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necesary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees' his approval, give a reasonable opportunity to the employee to explain their point of view.
- 9. Where for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as aready adopted by the said establishment, or benefits to the employees under this scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme this Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.

B. N. SOM Central Provident Fund Commissioner No. 2/1959/DLI/Exemp/89/Pt.I/3274.—WHEREAS M/s Godavari Fertilisers and Chemicals Ltd., 50, Sehastion Road, Secunderabad-500003 (AP/12955) have applied for exemption under sub-Section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) hereinafter referred to as the said Act:—

AND WHEREAS, I, B. N. Som, Central Provident Fund Commissioner is satisfied that the employees of the said establishment is, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees that the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme):

NOW, THEREFORE, in exercise of the power conferred by sub-section (2A) of Section 17 of the said Act and in continuation of the Government of India in the Ministry of Labour notification No. 2/1959/EDLI/Exemp/89/Pt.I dated 19-12-89 and subject to the conditions specified in Schedule-II annexed hereto, I, B. N. Som, nereby exempt the above said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a further period with effect from 1-12-90 to 30-11-93 upto and inclusive of the 30-11-93.

SCHEDULE-II

- 1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-Section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payments of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, alongwith translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, if employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employees been covered under the

- said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees his approval, give a reasonable opportunity to the employee to explain their point of view.
- 9. Where for any reason, the employee of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.

B. N. SOM Central Provident Fund Commissioner

No. 2/1959/EDLI/Exemp./89/Pt.I/3280.—WHEREAS M/s. Ramalakshmi Spinners (P) Ltd., Cotton Mill Road, Peclamedu, Coimbatore-4 (TN/10521) have applied for exemption under sub-Section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) hercinafter referred to as the said Act:—

AND WHEREAS, I, B. N. Som, Central Provident Fund Commissioner is satisfied that the employees of the said establishment is, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme):

NOW THEREFORE in exercise of the power conferred by sub-section (2A) of Section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in Schedule I annexed hereto, I, B. N. Som, hereby exempt the above said establishment with retrospective effect from which date relaxation order under Para 28(7) of the said Scheme has been granted by the Regional Provident Fund Commissioner Coimbatore from the operation of the said Scheme for and upto a period of 3 years from 1.8-88 to 31-7-91,

SCHEDULE-II

- 1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-Section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintainance of accounts submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, alongwith translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, if employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employees been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the employee as Compensation.
- 8. No amendment of the Provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees' his approval, give a reasonable opportunity to the employee to explain their point of view.
- 9. Where for any reason, the employee of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme this Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/Legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respects.
 - Central Provident Fund Commissioner

- No. 2/1959/DLI/Exemp.|89|Pt.I|3286. WHEREAS M/s. The Gudivada Co-op Urban Bank Ltd., Gudivada Krishna Distt. (AP/4168) Guntur, have applied for exemption under sub-Section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) hereinafter referred to as the said Act:—
- AND WHEREAS, I, B. N. Som, Central Provident Fund Commissioner is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees that the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme):

NOW THEREFORE in exercise of the power conferred by sub-section (2A) of Section 17 of the said Act and in continuation of the Government of India in the Ministry of Labour notification No. 2/1959/EDLI/Exemp/89/PLI dated 20-7-92 and subject to the conditions specified in Schedule-II annexed hereto, I, B. N. Som, hereby exempt the above said establishment from the operation of all the provivisions of the said Scheine for a further period with effect from 1-10-92 to 30-9-95 upto and inclusive of the 30-9-35.

SCHEDULE-II

- 1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, involved maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, alongwith translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, if employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the scheme be less than the amount that would be payable had the employees been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees' his approval, give a reasonable opportunity to the employee to explain their point of view.

- 9. Where for any reason, the employee of the said establishment do not remain covered under the Group insurance scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Lite Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 11. In case of dafault, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominec(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme this Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/Legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.

B. N. SOM Central Provident Fund Commissioner

- No. 2/1959/DLI|Exemp.|89|Pt.I|3292. WHEREAS M/s. Greater Visakha Leprosy Treatment and Health Education Scheme, 21-1-2 AVN College Road, Visakhapatnam-530001 (AP/5957), have applied for exemption under subsection (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) heremafter referred to as the said Act:—
- AND WHEREAS, I, B. N. Som, Central Provident Fund Commissioner is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme):

NOW, THEREFORE in exercise of the power conferred by sub-section (2A) of Section 17 of the said Act and in continuation of the Government of India in the Ministry of Labour notification No. 2/1959/DLI|Exemp|89|Pt.I dated 2-1-91 and subject to the conditions specified in Schedule-H annexed hereto, I, B. N. Som, hereby exempt the above said establishment from the operation of all the provivisions of the said Scheme for a further period with effect from 1-4-92 to 31-3-95 upto and inclusive of the 31-3-95.

SCHEDULE-II

- 1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for impection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, involved maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance

- Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, alongwith translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees,
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the scheme be less than the amount that would be payable had the employees been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees his approval, give a reasonable opportunity to the employee to explain their point of view.
- 9. Where for any reason, the employee of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme this Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the namonee(s)/Legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.

B. N. SOM

Central Provident Fund Commissioner

No. 2/1959/DLI/Exemp|89|Pt.I|3298.—WHEREAS M/s Shaw Wallance and Company Ltd., Andhra Winery and Distillary, Malkaggiri, Hyderabad (AP/3103) have applied for exemption under sub-Section (2A) of Section 17 of the ployees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) hereinafter referred to as the said Act:—

AND WHEREAS, I. B. N. Som, Central Provident Fund Commissioner, is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme-1976, (hereinafter referred to as the said Scheme).

NOW, THEREFORE, in exercise of the power conferred by Sub-Section (2A) of Section 17 of the said Act and in continuation of the Government of India in the Ministry of Labour notification No. S-35014/246/81-PF-II (SS.IV), dated 27-6-85 and subject to the conditions specified in Schedule-II annexed hereto, I, B. N. Som, hereby exempt the above said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a further period with effect from 18-12-88 to 17-12-91 & 18-12-91 to 17-12-94 upto and inclusive of the 17-12-94.

SCHEDULE-II

- 1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) sub-Section (3A) of Section 17 of the said Act within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, alongwith translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employees been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal helr(s) of the employee as compensation.
- 8. No amendament of the Provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees' his approval, give a reasonable opportunity to the employee to explain their point of view.
- 9. Where for any reason, the employee of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of Inda as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s) /legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered suider the Group Insurance Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.

B. N. SOM Central Provident Fund Commissioner

No. 2/1959/EDLI[Exemp[89]Pt.]3304.—WHEREAS M/s Prakash Arts, P.B. No. 406, Museum Road, Governospet, Vijayawada-520002, (AP/13552), have applied for exemption under sub-section 2(A) of Setion 17 of the Employees' Provident Funds & Miselianeous Provisions Act, 1952. (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act):

AND WHEREAS, I. B. N. Som, Central Provident Fund Commissioner, is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme-1976, (hereinafter referred to as the said Scheme).

NOW, THEREFORE, in exercise of the power conferred by sub-Section (2A) of Section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in Schedule I annexed hereto, I, B. N. SOM, hereby exempt the above said establishment with retrospective effect from which date relaxation order under Para 28(7) of the said Scheme has been granted by the Regional Provident Fund Commissioner, Guntur from the operation of the said Scheme for and upto a period of 3 years from 1-1-91 to 31-12-93.

SCHEDULE-II

- 1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) sub Section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, alongwith translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the scheme be less than the amount that would be payable had the employees been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees' his approval, give a reasonable opportunity to the employee to explain their point of view.
- 9. Where for any reason, the employee of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits of the employees under this acheme are reduced in any manuer, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of Premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s) /legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Group Irsurance Scheme this Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.
 - B. N. SOM Central Provident Fund Commissioner

- No. 2/1959|EDLI|Exemp|89|Pt.I|3310.—WHEREAS M/s Ashok Manufacturing Co. (P) Ltd., (Works) Canal Road. Vijay Nagar, Delhi-110009, (DI./69) have applied for exemption under sub-section 2(A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds & Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act):
- AND WHEREAS, I, B. N. Som, Central Provident Fund Commissioner, is satisfied that the employees of the said establishment is, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme-1976. (hereinafter referred to as the said Scheme).

NOW, THEREFORE, in exercise of the power conferred by sub-Section (2A) of Section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in Schedule I annexed hereto, I, B, N, SOM, hereby exempt the above said establishment with retrospective effect from which date relaxation order under Para 28(7) of the said Scheme has been granted by the Regional Provident Fund Commissioner. Delhi from the operation of the said Scheme for and upto a period of 3 years from 1.9-89 to 31-8-92.

SCHEDULE-II

- 1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, alongwith translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act. is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Sacheme, if on the death of an employee the amounts navable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme the employer shall nay the difference to the hominee(s) legal heir(s) of the employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Rogional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees' his approval, give a reasonable opportunity to the employee to explain their point of view.

9. Where for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as al-

PART III—SEC. 4]

- ready adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

 10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium e.c. within the due date, as fixed by the Life insurance Corporation or india, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsionity for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said scheme out for grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Group insurance beneme this Life insurance Corporation of India snail ensure prompt payment or the sum assured to the nominee(s)/legal neir(s) or the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.

B. N. SOM, Central Provident Fund Commissioner

No. 2/1959/EDLI|Exemp|89|Pt.|3317.—WHEREAS M/s Sankari Katai Minis Lid., Annona, Moradabad-244221 (U.r.) (UP/14430), have appned for exemption under sub-Section 2(A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds & Miscenaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (nereinatter referred to as the said Act):

AND WHEREAS, I, B. N. Som, Central Provident Fund Commissioner, is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporates of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissioned ring Employees' Deposit Linked Insurance Scheme-1976, (herein after referred to as the said Scheme).

Now, THEREFORE, in exercise of the power conferred by sub-section (2A) of Section 17 of the said Act and subect to the conditions specified in Schedule II, annexed hereto, I, B. N. SOM, hereby exempt the above said establishment with retrospective effect from which date relaxation order under para 28(7) of the said Scheme has been granted by the Regional Provident Fund Commissioner Uttar Pradesh from the operation of the said Scheme for and upto a period of 3 years from 1-12-89 to 30-11-92.

SCHEDULE-II

- 1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) sub Section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submissoin of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, alongwith translation of the selient features thereof in the language of the majority of the employees.

- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Colporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more ravourable to the employees than the benefits admissible under the said scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, it on the deam of an employee the amounts payable under the scheme be less than the amount that would be payable had the employees been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees his approval, give a reasonable opportunity to the employee to explain their point of view.
- 9. Where for any reason, the employee of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of Premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme this Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/Legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.

B. N. SOM

Central Provident Fund Commissioner

- No. 2/1959 DLI Exemp 89 Pt. I 3323.—WHEREAS M/s Bhoruka Steel Limited, Manadevapura Post, Whitefield Road Bangalore-48 (KN/4489) have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) hereinafter referred to as the said Act:
- AND WHEREAS, I, B. N. Som, Central Provident Fund Commissioner, is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme-1976, (hereinafter referred to as the said Scheme).
- NOW, THEREFORE, in exercise of the power conferred by Sub-Section (2A) of Section 17 of the said Act and in continuation of the Government of India in the Ministry of Labour notification No. S-35014(292)85-SS.IV dated 20-12-85 and subject to the conditions specified in Schedule-II annexed hereto, I, B. N. Som, hereby exempt the above said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a further period with effect from 22-9-88 to 21-9-91 upto and inclusive of the 21-9-91.

SCHEDULE-II

- 1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Kegional Provident rung Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) or sub-section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group insurance scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group insurance scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, alongwith translation of the sallent features thereof in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, if employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necesary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employees been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees' his approval ,give a reasonable opportunity to the employee to explain their point of view.
- 9. Where for any reason, the employee of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said scheme but for grant of this examption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme this Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s) legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.

Contral Provident Fund Commissioner

No. 2/1959|EDLI|Exemp|89|Pt.|3329.—WHEREAS M/6 Bon Pack Private Limited, Marchon Building, Margao Goa (GOA/10221) have applied for exemption under sub-Section 2(A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds & Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act):

AND WHEREAS, I, B. N. Som, Central Provident Fund Commissioner, is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissioner the Employees Deposit Linked Insurance Scheme-1976, (hereinafter referred to as the said Scheme).

Now, THEREFORE, in exercise of the power conferred by sub-section (2A) of Section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in Schedule. I annexed hereto, I, B. N. SOM, hereby exempt the above said establishment with retrospective effect from which date relaxation order under para 28(7) of the said Scheme has been granted by the Regional Provident Fund Commissioner Goa from the operation of the said Scheme for and upto a period of 3 years from 1-3-90 to 28-2-93.

SCHEDULE-II

- 1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, alongwith translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employees been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nomince(s)/legal helr(s) of the employee as compensation.

- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees' his approval, give a reasonable opportunity to the employee to explain their point of view.
- 9. Where for any reason, the employee of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the sald Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/Legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.

B. N. SOM Central Provident Fund Commissioner

No. 2/1959|DLI|Exemp|89|Pt.I|3335.—WHEREAS M/s Siemens Ltd., 130, Randurang Budhakar Marg, Bombay-400018 and its branches covered under the same code No. (MH/4476-4520) have applied for exemption under sub-Section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Mincellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) hereinafter referred to as the said Act:

AND WHEREAS, I, B. N. Som, Central Provident Fund Commissioner, is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme-1976. (hereinafter referred to as the said Scheme).

NOW, THEREFORE, in exercise of the power conferred by Sub-Section (2A) of Section 17 of the said Act and in continuation of the Government of India in the Ministry of Labou notification No. 2/1959|DLI|Exem|89|Pt.I dated 11-4-92 and subject to the conditions specified in Schedule-II annexed hereto, I, B. N. Som, hereby exempt the above said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a further period with effect from 11-2-91 to 10-2-94 upto and inclusive of the 10-2-94.

SCHEDULE-II

"....<u>-</u>-

- 1. The employer in relation to each of the said establishment (here nafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of Sub-Section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, alongwith translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the scheme be less than the amount that would be payable had the employees been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees' his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.
- 9. Where for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be concelled.
- 10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of Premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer
- 12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/Legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respects.

B. N. SOM

No. 2/1959/DLI/Excmi89|Pt.I|3341.—WHEREAS Mls. Baroda District Co-operative Milk Producer's Union Limited, Baroda Dairy, Baroda-9 (GJ/4856), have applied for exemption under Sub-Section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) hereinafter referred to as the said Act:

AND WHEREAS, I, B. N. Som, Central Provident Fund Commissioner, is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme-1976, (herein after referred to as the said Scheme).

NOW, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by Sub-Section (2A) of Section 17 of the said Act and in continuation of the Government of India in the Ministry of Labour notification No. S-35014/187/85-SS.IV dated 22-8-85 and sub-lect to the conditions specified in Schedule-II annexed hereto, I, B. N. Som, hereby exempt the above said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a further period with effect from 22-8-88 to 21-8-91 and 22-8-91 to 21-8-94 upto and inclusive of the 21-8-94.

SCHEDULE-II

- 1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submiss on of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when smended, alongwith translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establ'shment exempted under the said Act. if employed in his es'ablishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employees been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees' his approval give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

- 9. Where for any reason, the employee of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme this Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respects.

B. N. **SOM**,

Central Provident Fund Commissioner

No. 2/1959|EDLI|Exemp|89|Pt.|3347.—WHEREAS M/s Tea-Ma Consortium (I) Ltd., 10, Middleton Row, Rear Block. Calcutta-700071 (alongwith two branches) code No. WB/14238, have applied for exemption under Sub-Section 2(A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds & Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act):

AND WHEREAS, I, B. N. Som, Central Provident Fund Commissioner, is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are near favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (herein after referred to as the said Scheme).

Now, THI RFFORE, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of Section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in Schedule. I annexed hereto I, B. N. SOM, hereby exempt the above said establishment with retrospective effect from which date relaxation order under para 28(7) of the said Scheme has been granted by the Regional Provident Fund Commissioner West Bengal from the operation of the said Scheme for and upto a period of 3 years from 1-8-89 to 31-7-92.

SCHEDULE-II

- 1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section-(3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, involved maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Schame as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, along with translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.

- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, if employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay pecessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employees been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominec(s)/legal helr(s) of the employee as compensation.
- 38. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees' his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.
- 9. Where for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insutance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 11 In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s) /legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said scheine but for event of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/Legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respects.

B. N. SOM Central Provident Fund Commissioner

No. 2/1959|EDLI|Exemp|89|Pt.|3353.—WHEREAS M/s Orient Paper Mills, Amlai Paper M lls, Distt. Shahdol, (MP/1224), have applied for exemption under Sub-Section 2(A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds & Miscellaneous Provisions Act 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act):

STILL STATE AND THE STREET STATE OF THE STAT

AND WHEREAS, I, B. N. Som, Central Provident Fund Commissioner, is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme-1976, (hereinafter referred to as the said Scheme).

Now, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of Section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in Schedule. I annexed hereto, I, B. N. SOM, hereby exempt the above said establishment with retrospective effect from which date relaxation order under para 28(7) of the said Scheme has been granted by the Regional Provident Fund Commissioner Jabalpur from the operation of the said Scheme for and upto a period of 3 years from 1-2-89 to 31-1-92.

SCHEDULE II

- 1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of Sub-Section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, alongwith translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, if employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominec(s)/legal heir(s) of the employee as compensation.
- 8. No amendment of the Provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees' his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of veiw.
- 9. Where for any reason, the employee of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this scheme are reduced in any manner the exemption shall be liable to be cancelled.

- 10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said scheme

but for grant of this exemption, shall be that of the employer,

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominec(s)/legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respects.

B. N. SOM Central Provident Fund Commissioner

OFFICE OF THE PUNJAB WAKE BOARD

Ambala Cantt, the 20th October 1992

No. Wakf/45/Gen./Gazette/488/92—In exercise of the powers conferred under section 27 of the Wakf Act, 1954 which is exercisable by me under delegation of powers by the Administrator, Punjab Wakf Board under Section 22 of the Wakf Act, 1954, the following properties are hereby declared as Sunni Wakf.

S. Name of Wakf	f District	Village	Khasra No.	Area	Value		ture and ject of	How the Wakf is	Remarks
	Tohsil					Wa	kf		
1 2	3	4	5	6	7		8		10
				K-M	[_ ~~	
1. Masjid Idgah	Sangrur	Mehmood-	156	7-06	Rs. 60,00	0,000/-	Religiou	s Under the	Sunni
		pur						management	Wakf
	Malerkotla	alias Dugni						of the Punjab	
								Wakf Board,	
								Ambala Cantt.	
2, Gravəyard	Kapurthala	Talwandi Chodhrian	311	11-09	9 Rs. 1,20	,000/-	Do.	Do.	Do.
	Sultanpur								
	Lodhi								
3, Takia	Jalandhar	Saprai	62	1-06	Rs. 30	0,000/-	Do.	Do.	\mathbf{D}_{0} .
		· HB 244							•
	Jalandhar								

The above properties Masjid Idgah, Graveyard and Takia are declared as Sunni Wakfs shown in the Jama Bandi.

F.O. HASHMI DCS Secretary